RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:254 ता. 05 अप्रेल 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

आवारा कुत्तों के काटने से बचीं पर कार से टकरा गई स्कूटी सवार महिला

ओडिशा। ओडिशा में आवारा कुत्तों से डरकर स्कूटी सवार एक महिला खड़ी कार से टकरा गई। स्कूटी में दो महिलाएं और एक बच्चा सवार थे। इस हादसे में सभी को चोंट आई हैं। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में पांच आवारा कुत्ते स्कूटी का पीछा कर रहे हैं। कुत्तों के डर से महिला का ध्यान आगे नहीं रहता है और स्कूटी कार से टकरा जाती है। देखें हादसे का वीडियो समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, घटना ओडिशा बेरहामपुर शहर की बताई जा रही है। यहां आवारा कुत्तों के काटने से डरी एक महिला ने अपनी स्कूटी सड़क के किनारे खड़ी कार से टकरा दी। स्कूटी पर महिला और एक बच्ची समेततीन लोग सवार थे। हादसे में सभी को चोटें आई हैं। 25 सैकेंड के इस वीडियो में दिख रहा है कि आवारा कुत्ते स्कूटी सवार महिला का पीछा कर रहे हैं। कुत्तों के डर से महिला का ध्यान आगे नहीं रहता है और वह स्कूटी को कार से टक्कर मार देती है। टक्कर काफी जोरदार थी। कार से टकराने के बाद महिला और स्कूटी में सवार सभी लोग नीचे गिर जाते हैं। वीडियो में दिख रहा है कि स्कूटी में सवार सभी लोगों को काफी चोट आई है। स्कूटी में दो महिलाएं और एक बच्चा सवार हैं। टक्कर के बाद जब स्कूटी गिरती है तो कुत्ते वहां से भाग जाते हैं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

सेब नहीं, संतरा है सपा, अखिलेश के रायबरेली दौरे में क्यों दो खेमों में बंटी पार्टी?

स्वामी प्रसाद मौर्या और मनोज पांडेय के अलग कार्यक्रम

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव रायबरेली के एक दिवसीय दौरे में पार्टी दो खेमों बंटी दिखी। अखिलेश यादव रायबरेली में पार्टी के ही नेताओं के दो अलग-अलग कार्यक्रमों में शिरकत की। पहला पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने आयोजित किया था। दूसरा सपा नेता व ऊंचाहार विधायक मनोज पांडे की ओर से था। सपा के ही दो नेताओं के अलग-अलग कार्यक्रम करना, विधायक और महासचिव पद पर होने के बावजूद एक-दूसरे के कार्यक्रम में ना जाना, ना ही बैनर पर एक दूसरे के नामों का जिक्र होना, सियासी गलियारों में रायबरेली को लेकर चर्चा तेज कर दी।

हालांकि स्वामी प्रसाद और विधायक मनोज पांडे में पुरानी गुटबाजी है। ऐसे में यह देखने वाली बात होगी कि क्या पार्टी के लिए स्वामी प्रसाद और मनोज एक होंगे या रार जारी रहेगी। बहरहाल जो भी हो पर सपा अगर यहां खेमों में

बंटी तो मिशन रायबरेली अखिलेश के लिए चिंता बढ़ा सकती है।

अखिलेश यादव सोमवार को रायबरेली पहुंचे। मान्यवर कांशीराम की मूर्ति का अनावरण कर दलितों को साधा। यह कार्यक्रम स्वामी प्रसाद की ओर से आयोजित किया गया था। वहीं इस कार्यक्रम के पहले सपा नेता व ऊंचाहार विधायक मनोज पांडे की ओर से जगतपुर में एक और कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सहभाग किया और जनसभा को संबोधित किया। पार्टी के ही दोनों नेताओं के कार्यक्रम अलग-अलग हुए। एक दूसरे के कार्यक्रम में दोनों नेता शरीक नहीं हुए और ना ही बैनर पर एक दूसरे के नामों का जिक्र किया गया। पार्टी को एकजुट करने के लिए आए राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पार्टी को एक नहीं कर सके। दो कार्यक्रम होने से जिले के लोग अलग-अलग मायने निकाल रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि अलग-अलग कार्यक्रमों ने पार्टी को दो खेमों में विभाजित कर दिया है।

क्यों एक-दूसरे के साथ नहीं मनोज और स्वामी

सपा महासचिव स्वामी प्रसाद और सपा विधायक मनोज पांडेय का ऊंचाहार क्षेत्र में दोनों का अपना-अपना अलग-अलग राजनीतिक क्षेत्र है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्या का पुराना चुनाव क्षेत्र ऊंचाहार है। पहली बार वह यही से विधायक बने थे। इसी क्षेत्र में उनके खुद के कई शिक्षण प्रतिष्ठान हैं। इन शिक्षण संस्थानों का वह राजनीतिक उपयोग पहले भी करते रहे हैं और अब भी। उन्हें सपा के टिकट पर ही मनोज पांडे ने शिकस्त दी थी। सपा के टिकट से यहीं से तीसरी बार विधायक बने मनोज पांडे भी सपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। विधानसभा चुनाव के पहले सपा में स्वामी प्रसाद के शामिल होने पर ही दोनों में रस्साकशी शुरू हो गई थी। टिकट को लेकर भी दोनों में खूब जोर आजमाइश हुई थी। उस वक्त टिकट की यह लड़ाई सपा मुखिया तक भी पहुंची थी। टिकट पाने में मनोज पांडे कामयाब रहे थे।

बेंगलुरु से वाराणसी जा रहे 137 यात्री बाल-बाल बचे

इंडिगो के विमान की तेलंगाना में इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। इंडिगो फ्लाइट में तकनीकी समस्या आने के बाद उसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी है।दरअसल, बेंगलुरु से वाराणसी जाने वाली फ्लाइट में 137 यात्री सवार थे, जिसकी तकनीकी खराबी के कारण आज सुबह 6.15 बजे तेलंगाना के शमशाबाद हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की गई। सभी यात्री सुरक्षित बताए गए हैं।

तकनीकी समस्या के चलते हुई इमरजेंसी लैंडिंग–जानकारी के अनुसार, फ्लाइट जैसे बेंगलुरु से रवाना हुई कुछ देर बाद पायलट को उसमें तकनीकी समस्या का पता चला। इसके बाद पायलट ने विमान की तेलंगाना के शमशाबाद हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग की।

बीते दिन भी बेंगलुरू की फ्लाइट में आई थी खराबी–बता दें कि बीते दिन बेंगलुरु से अबू धाबी के लिए उड़ान भरने वाली एतिहाद एयरवेज की फ्लाइट EY237 में भी तकनीकी खराबी आई थी, जिसके तुरंत बाद उसकी वापिस बेंगलुरु के एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग करवाई गई।

कैबिन प्रेशर में दिक्कत–दरअसल, जैसे ही फ्लाइट ने टेक-ऑफ किया तो पायलट को अहसास हुआ कि फ्लाइट में कुछ दिक्कत है। कैप्टन ने पाया कि विमान के कैबिन प्रेशर में कमी है, जिसके बाद उसने इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला किया।

अमेरिका और कनाडा समेत 14 देशों में छिपे हैं भारत के 28 वांछित गैंगस्टर

नई दिल्ली। भारत के 28 वांछित गैंगस्टर 14 विभिन्न देशों में छिपकर भारत विरोधी गतिविधियों में लगे हैं। केंद्र ने भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचने वाले इन वांछित गैंगस्टरों की सूची तैयार की है। सूत्रों ने बताया कि इनमें से नौ कनाडा में और पांच अमेरिका में छिपे हैं। इनके खिलाफ हत्या, जबरन वसूली और अपहरण के मामले दर्ज किए गए हैं। इन गैंगस्टरों में मशहूर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मास्टरमाइंड सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ शामिल है।

अमेरिका में छिपा है गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई

गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई उर्फ भानु अमेरिका में छिपा है। सूत्रों के मुताबिक, उस पर आतंकी हमला करने और फिल्म व व्यवसाय जगत की प्रमुख हस्तियों की हत्या करने का आरोप है।

कनाडा में छिपे नौ वांछित गैगस्टर–कनाडा में छिपे नौ वांछित गैंगस्टरों में सुखदूल सिंह उर्फ सुखा दुनेके, गुरपिंदर सिंह उर्फ बाबा दल्ला, सतवीर सिंह वारिंग उर्फ सैम, स्रोवर ढिल्लों, लखबीर सिंह उर्फ लांडा, अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श दाला, चरणजीत सिंह उर्फ रिंकू बिहला, रमनदीप सिंह उर्फ रमन जज व गगनदीप सिंह उर्फ गगना हथुर शामिल है।

अमेरिका मे छिपे 5 गैगस्टर–अमेरिका में पांच गैंगस्टर सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़, अनमोल बिश्नोई, हरजोत सिंह गिल, दरमनजीत सिंह उर्फ दरमन खलों और अमृत बल छिपा बैठा है। विक्रमजीत सिंह बराड़ उर्फ विक्की और कुलदीप सिंह उर्फ नवांशहरिया संयुक्त अरब अमीरात में छिपा हुआ है।

निजी हित में जनहित याचिकाएं लगाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि जनहित याचिका पर सुनवाई करते समय अदालतों को इस बात की पड़ताल करनी चाहिए कि क्या इसके पीछे याचिकाकर्ता का कोई निजी हित तो नहीं है। अदालत ने कहा कि व्यक्तिगत, कारोबारी हित या राजनीतिक मकसद से आधारहीन जनहित याचिका दाखिल करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की बेंच ने हाल ही में पारित अपने-अपने आदेश में कहा कि निजी, कारोबारी या राजनीतिक मकसद से दाखिल जनहित याचिकाएं न सिर्फ न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं, बल्कि न्यायपालिका का कीमती वक्त भी बर्बाद करती हैं। इससे अन्य संस्थानों की विश्वसनीयता को खतरे में डालने और लोकतंत्र व कानून के शासन में जनता के विश्वास को कम होने का खतरा भी रहता है। जनहित याचिका का इस्तेमाल अनुचित और निजी हित के लिए नहीं, बल्कि जनहित के वास्तविक मुद्दों पर आधारित होना चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा कि निजी, कारोबारी या राजनीतिक हितों को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करते समय सतर्क और सावधान रहने की जरूरत है। कोर्ट ने खुद को सामाजिक कार्यकर्ता होने का दावा करने वाली महिला की याचिका पर यह टिप्पणी की है। इससे पहले, नगर निगम ने मामले में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करते हुए कहा कि जिस संपत्ति में याचिकाकर्ता ने अवैध निर्माण का आरोप लगाया है कि वह पूरी तरह से कानून के तहत नक्शा पास होकर बन रहा है। कोर्ट ने कहा कि नगर निगम द्वारा पेश स्टेटस रिपोर्ट पर भरोसा नहीं करने का कोई कारण नजर नहीं आता है। ऐसा लगता है कि याचिका दाखिल करने के पीछे निजी हित छिपा है।

सर्दी की वापसी! दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश; पूरे उत्तर भारत में मौसम का अलर्ट

नई दिल्ली।अप्रैल का महीना शुरू हो चुका है और गर्मी अभी दूर-दूर तक महसूस नहीं हो रही है। मानो, सर्दियां वापस आ गई हो। राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के तमाम राज्यों में एक बार फिर बारिश का अलर्ट है। पूरे एनसीआर में झमाझम बारिश हुई। सड़क पानी से लबालब भरे हैं। कल रात को हरियाणा में तेज बारिश हुई थी। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की बात करें तो तेज हवाओं और आंधी के अलावा कई इलाकों में तेज बारिश शुरू हो गई है। पूरे वेस्ट यूपी का भी यही हाल है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि आज पूरे दिन समूचे उत्तर भारतीय राज्यों में आंधी-तूफान और गरज के साथ तेज बारिश हो सकती है।

दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश

आईएमडी ने कल अलर्ट जारी किया था कि दिल्ली और एनसीआर में तीन और 4 अप्रैल को तेज बारिश हो सकती है। मंगलवार तड़के ही दिल्ली से सटे गाजियाबाद समेत पूरे एनसीआर में तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि दिनभर में बारिश का यह सिलसिला रुक-रुककर जारी रहेगा। वहीं, दिल्ली के भी कई इलाकों में बारिश हुई। यहां भी दिन में बूंदाबांदी की संभावना है।

लौट आई सर्दी!

मौसम विभाग के मुताबिक, तेज आंधी और तूफान के साथ बारिश के कारण एक बार फिर ठंड ने दस्तक दे दी है। वेस्ट यूपी और उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में भी आज बारिश की संभावना है। आईएमडी का कहना है कि पश्चिम हिमालयी राज्यों में तीन अप्रैल और 4 अप्रैल को तूफान और गरज के तेज बारिश की प्रबल संभावना है। इससे पहले हरियाणा और पंजाब में कल बारिश हुई। यहां आज भी मौसम खराब होने का अंदेशा है।

उत्तर पूर्वी राज्यों का क्या हाल

उत्तर पूर्वी राज्यों की बात करें तो मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल और सिक्किम राज्यों में पांच अप्रैल तक भारी बारिश और तूफान की संभावना जताई है। अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में आज भी मौसम खराब हो सकता है।

अगले पांच दिन गर्मी नहीं

मौसम विभाग का कहना है कि पूरे देश में अगले पांच दिन लू या गर्मी की कोई संभावना नहीं है। अगले पांच दिन उच्चतम और न्यूनतम तापमान सामान्य बना रहेगा।

हुगली में फिर हिंसा, अब रेलवे स्टेशन पर पथराव, हनुमान जयंती से पहले ममता की अपील- हिंदू भाई-बहन रमजान में मुस्लिमों की हिफाजत करें

कोलकाता। सोमवार देर रात हुगली के रिशरा इलाके में एक बार फिर हिंसा भड़क गई। यहां सड़कों पर पत्थर फैले नजर आ रहे हैं। पुलिस हालात का जायजा ले रही है। पश्चिम बंगाल में रामनवमी से शुरू हुई हिंसा अब भी जारी है। हुगली के रिशरा इलाके में सोमवार देर रात रेलवे स्टेशन के बाहर पथराव हुआ। पूर्वी रेलवे के मुख्य PRO कौशिक मित्रा ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रात 10 बजे से 1 बजे तक हावड़ा-बैंडल रूट पर सभी लोकल, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन रोक दिया गया। रिशरा स्टेशन के बाहर भारी पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को हिंदू भाई-बहनों से अपील की कि वे रमजान के महीने में मुस्लिमों की रक्षा करें। ममता ने यह अपील 6 अप्रैल को हनुमान जयंती से पहले की है। ममता ने कहा कि मैं 6 अप्रैल के लिए अपने लोगों के लिए अलर्ट जारी करना चाहूंगी। हम बजरंगबली का सम्मान करते हैं, लेकिन भाजपा इस आयोजन की आड़ में दंगे कराने की योजना बना सकती है। वहीं, हुगली में हिंसा के बाद राज्य के गवर्नर सीवी आनंद बोस ने दार्जीलिंग का अपना प्रोग्राम रद्द कर दिया है और कोलकाता के लिए रवाना हो गए हैं। ममता बनर्जी के भतीजे और TMC नेता अभिषेक बनर्जी ने एक वीडियो शेयर करके भाजपा पर हिंसा

फैलाने का आरोप लगाया। इस वीडियो में एक शोभायात्रा दिखाई दे रही है, जिसमें एक युवक हाथ में पिस्तौल पकड़ा हुआ है। इस वीडियो के कैप्शन में अभिषेक ने लिखा कि भाजपाई दंगाबाजी का यही फॉर्मूला है- समुदायों को एक-दूसरे के खिलाफ भड़काओ, दंगा भड़काने के लिए हथियार सप्लाई करो, संप्रदायों के बीच तनाव का माहौल बनाओ और राजनीतिक फायदा लूटो।

इसके जवाब में बंगाल भाजपा ने विश्व हिंदू परिषद की शोभायात्रा का ड्रोन वीडियो शेयर करके लिखा कि ये असली वीडियो है, जिसे VHP ने शेयर किया है। अभिषेक बनर्जी ने जो वीडियो पोस्ट किया वो VHP की यात्रा का नहीं है। अभिषेक बनर्जी हिंदुओं को बदनाम कर रहे हैं। धार्मिक लकीरें खींचकर लोगों को बांटने की उनकी कोशिशों की जांच की जानी चाहिए। यह अपराध है।

सुवेंदु अधिकारी का आरोप- राज्य प्रशासन छुट्टियां मनाने में व्यस्त

बंगाल भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि रिशरा रेलवे स्टेशन पर पथराव और बम फेंके जाने की घटना से लोकल और एक्सप्रेस ट्रेनों की आवाजाही रोकनी पड़ी। रैपिड एक्शन फोर्स की कार्रवाई के बाद ट्रेन सर्विस फिर से शुरू हुई। रिशरा सुलग रहा है और पूरा राज्य प्रशासन दीघा में बीच हॉलिडे मना रहा है। आज तो कोई शोभायात्रा नही निकली फिर आज बम क्यों फेंके गए और आग लगाई गई। राज्य सरकार कहती है कि सब ठीक है। कानून व्यवस्था बनाए रखने में सरकार नाकाम रही है। राज्य के लोगों की सुरक्षा के लिए सिर्फ CRPF की तैनाती ही इकलौता उपाय है।

सिक्किम : नाथुला रोड पर हिमस्खलन में 6 की मौत, 80 से ज्यादा के फंसे होने की आशंका

सिक्किम के नाथुला इलाके में मंगलवार को हुए एक भीषण हिमस्खलन में छह पर्यटकों की मौत हो गई है। इसके अलावा 11 लोगों के घायल होने की खबर है। बताया जा रहा है कि अभी 80 से ज्यादा लोग फंसे हो सकते हैं। घायलों को राज्य की राजधानी गंगटोक के अस्पताल लाया जा रहा है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक बचाव अभियान जारी है। सीमा सड़क संगठन द्वारा तेजी से बचाव अभियान शुरू किया गया था और अब तक 22 लोगों को बचाया गया है। आपको बता दें कि नाथुला दर्रा चीन से लगी सीमा पर स्थित है और यह अपनी मनोरम सुंदरता के कारण पर्यटकों का एक बड़ा आकर्षण केंद्र है। गंगटोक को नाथू ला से जोड़ने वाले जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर 15वें माइल पर अपराह्न 12.15 बजे के आसपास हिमस्खलन हुआ, जब उस क्षेत्र में कम से कम 150 पर्यटक थे। नाथू ला दर्रा, समुद्र तल से 4,310 मीटर (14,140 फीट) की ऊंचाई पर, चीन के साथ सीमा पर स्थित है और एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। स्थानीय समाचार रिपोर्ट में कहा गया है कि मरने वाले पर्यटकों में चार पुरुष, एक महिला और एक बच्चा शामिल है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पर्यटकों को 13वें माइल तक जाने की अनुमति थी लेकिन वे जबरन 15वें माइल तक पहुंच गए जहां घटना हुई।

कोविड-19 ने पकड़ी रफ्तार, देश में कोरोना के नए मामले 3 हजार के पार, 7 लोगों की मौत

नई दिल्ली । देश में कोविड-19 ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ी है। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के नए मामले 3 हजार के पार हो गए हैं और 7 लोगों की मौत भी हो गई। कोविड-19 के 3 हजार 38 नए मामले सामने आए हैं। पॉजिटिविटी रेट में बड़ा उछाल देखा गया है। देश में इस समय कोविड-19 के 21 हजार से ज्यादा एक्टिव मामले हैं। पिछले 24 घंटों में कोविड से देश में 7 मौतें दर्ज की गई हैं। कोरोना से पंजाब में 2 मौतें, उत्तराखंड में 1, महाराष्ट्र में 1, जम्मू में 1 और दिल्ली में 2 मौतें दर्ज की गईं हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार कोविड मामलों की कुल संख्या 4.47 करोड़ (4,47,29,284) पर पहुंच गई थी। देश में एक्टिव मामले कुल संक्रमणों का 0.05 प्रतिशत हैं। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक कोविड-19 से ठीक होने वालों की राष्ट्रीय रिकवरी दर 98.76 प्रतिशत दर्ज की गई है। कोरोना की बीमारी से उबरने वालों की संख्या 44177204 है, जबकि कोविड मरीजों की मृत्यु दर 1.19 दर्ज की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक 220.66 करोड़ कोविड टीके की खुराक दी जा चुकी है। भारत में पिछले कुछ दिनों में कोविड के मामलों में बहुत तेज बढ़ोतरी देखी गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने मनसुख मंडाविया ने कहा कि लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। मौजूदा समय में देश में फैल रहे ओमिक्रॉन के सब-वैरिएंट के संक्रमण की संख्या बढ़ी है, मगर अस्पताल में भर्ती होने की संख्या नहीं बढ़ी है। मंडाविया ने कहा कि कोविड वायरस लगातार म्यूटेट होता रहता है और भारत में अब तक इसके 214 वैरिएंट पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि आईसीयू बेड, ऑक्सीजन की आपूर्ति और अन्य महत्वपूर्ण उपायों की व्यवस्था की गई है। मंडाविया ने कहा कि जरूरी मेडिकल तैयारियों की हर हफ्ते समीक्षा की जा रही है। मंत्री ने कहा कि यह भविष्यवाणी करना असंभव है कि आगे चलकर कोविड कैसे व्यवहार करेगा। मगर जो सब-वैरिएंट अभी कोविड-19 मामलों में उछाल ला रहे हैं, उतने खतरनाक नहीं हैं, जिससे किसी तबाही की आशंका हो।

अमेरिका-कनाडा सीमा पर गुजरात के एक परिवार की मौत की जांच करेंगी एएचटीयू

गांधीनगर । गुजरात की सीआईडी-क्राइम की एंटी-ह्यूमन ट्रैफिक यूनिट (एएचटीयू) अमेरिका-कनाडा सीमा पर राज्य के एक परिवार के चार सदस्यों की मौत की जांच करेगी। सीआईडी के एक शीर्ष अपराध अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कनाडा की क्यूबेक-न्यूयॉर्क सीमा पर सेंट लॉरेंस नदी में अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने का प्रयास करते समय चार लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों की पहचान मेहसाणा जिले के मानेकपुर कभला गांव निवासी प्रवीण चौधरी, उसकी पत्नी दक्ष, बेटा मीत और बेटी विधि के रूप में हुई है। इस घटना में कुल आठ लोगों की मौत हुई, चार गुजरात से और इतने ही कनाडा के पासपोर्ट वाले रोमेनियन थे। कलोल जिले के डिंगुचा के चार लोगों के एक परिवार की कनाडा से अमेरिका में प्रवेश करते समय ठंड लगने से मौत हो जाने के बाद यह घटना पिछले साल की तरह की तीसरी घटना है। हादसे के बाद राज्य प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है। सीआईडी अपराध के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि घटना की जांच सीआईडी अपराध की एएचटीयू इकाई को सौंपी गई है। अधिकारियों ने कहा, हम इस मामले को सुलझाने के लिए मृतक के वीजा और यात्रा दस्तावेज प्राप्त करने के लिए कनाडा के अधिकारियों के पास पहुंचे हैं। परिवार के आग्रह के बावजूद कि वे प्रवीण चौधरी और उनके परिवार की अमेरिका जाने की योजना से अनजान थे। सीआईडी अपराध, स्थानीय पुलिस और गुजरात एटीएस की कई टीमों ने अवैध आप्रवासन रैकेट का पदार्फाश करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है। रैकेट के सरगना बॉबी पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

भाजपा सांसद साक्षी महाराज बोले- प्रधानमंत्री का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे

उन्नाव। सांसद साक्षी महाराज ने पीएम का अपमान बर्दाश्त नहीं करने की बात कही है। बीजेपी के फायर ब्रांड नेता और उन्नाव जिले के सांसद साक्षी महराज ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने सभी सवालों का बेबाकी से जवाब भी दिया। साक्षी ने नई लोकसभा के बारे में इशारों में कहा कि जब जनसंख्या बढ़ रही है तो सांसद भी बढ़ेंगे। साक्षी महराज ने जनसंख्या नियंत्रण कानून के सवाल पर कहा कि यह सरकार के एजेंडे में है। कई कानून बने हैं। अब उसका भी नंबर आएगा। सरकार के पास एक नहीं कई काम होते हैं। साक्षी महराज से जब पूछा गया कि राहुल गांधी 2024 में कितना बड़ा चैलेंज साबित होंगे बीजेपी के लिए। इस पर साक्षी ने कहा की उनका नाम कहीं से युक्त संगत नहीं है। उनके समय में उनका पीएम हाथ जोड़कर खड़ा रहता था। इसके साथ ही कहा की वह हमारे पीएम पर अभद्र टिप्पणी कर चुके हैं। इस पर उनको सजा हो गई है, जिसको लेकर पूरा देश आंदोलित हो गया था। पिछड़े काफी नाराज हो गए थे क्योंकि मोदी जी पिछड़े जाति से आते हैं ।साक्षी महाराज ने कहा कि मोदी जी महान है पीएम का अपमान करना राष्ट्र का अपमान होता है। साक्षी ने राहुल के हालिया बयान पर कहा की रस्सी जल गई लेकिन ऐठन नहीं गई। सीटें बढ़ने को लेकर उन्होंने कहा ?कि नई लोकसभा में दोगुनी सीटें लगाई गई हैं। इस पर उन्होंने इशारों में कहा कि जब जनसंख्या बढ़ रही है तो सांसद भी बढ़ेंगे। यह सरकार की सोच होगी। उन्होंने कहा कि मैं साक्षी जरूर हूं लेकिन इतना साक्षात देख सकूं यह नहीं हो सकता। लेकिन साथ ही यह भी कहा बढ़ी हुई संख्या में मैं कुछ कहूं या उचित नहीं है जो सरकार की नीति होगी वही वह करेगी। उन्नाव से चुनाव लडूंगा नहीं तो हरिद्वार आश्रम में आराम करूंगा। इस पर साक्षी ने कहा कि इस पर गलत मतलब निकाला गया। हम सरकार से नाराज नहीं हैं। उन्नाव की जनता हमें बहुत प्रेम करती है और हमें रिकार्ड तोड़ मतों से जिताया भी है।

चीन की हरकत : अरुणाचल प्रदेश के 11 जगहों के नाम चीनी, तिब्बती व पिनियन भाषा में की जारी

-भारत ने कहा- नाम बदलने से नहीं बदलेगी हकीकत, अरुणाचल हमारा अभिन्न अंग

नई दिल्ली । भारत के खिलाफ चीन हरकतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं, भारत के विरुध्द नए-नए हथकंडे अपना रहा है। चीन ने एक बार फिर चालबाजी दिखाते हुए अरुणाचल प्रदेश के 11 जगहों के नामों की लिस्ट चीनी, तिब्बती और पिनियन भाषा में जारी की है। रविवार को चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश के 11 जगहों के नामों की लिस्ट जारी की। इन 11 स्थानों में से दो भूमि क्षेत्र, दो रिहायशी इलाके, पांच पार्वती चोटियां और दो नदियां शामिल हैं। वहीं चीन की इस हरकत पर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह पहली बार नहीं है, जब चीन ने ऐसा प्रयास किया है। हम इसे सिरे से खारिज करते हैं। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न, अविच्छेद्य अंग है। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि आविष्कार किए गए नामों को सौंपने का प्रयास वास्तविकता को नहीं बदलेगा।

सीतारमण अपने गांव पहुंचीं तो महिलाओं ने रसोई गैस सस्ता करने लगाई गुहार

- वित्तमंत्री ने कहा- रसोई गैस की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार पर होती है तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को गृहिणियों ने घेर लिया और कहा कि रसोई गैस की कीमतें ज्यादा हैं, जिन्हें कम किया जाना चाहिए। महिलाओं के इस अनुरोध पर वित्त मंत्री ने उन्हें संतुष्ट करने के लिए अपना लॉजिक दिया और बताया कि रसोई गैस क्यों महंगी हो गई है और कब इसके दामों में कमी आ सकती है। वित्त मंत्री तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले के पाजहियसीवरम गांव पहुंची थीं। यहां से उन्होंने 2024 के आम चुनावों के लिए 'वॉल टू वॉल' अभियान की शुरुआत की। इसी अभियान की शुरुआत के दौरान ये वाकया हुआ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को सामने पाकर महिलाओं ने उनसे रसोई गैस को सस्ता करने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही रसोई गैस की कीमतों में 50 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी और एक फिल्ड सिलेंडर की कीमत 1100 रुपये हो गई है। अपने गांव के दौरे पहुंचीं यूनियन वित्त मंत्री ने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनसे पूछा कि क्या वे सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उसके बाद घरेलू महिलाओं के एक ग्रुप ने उनसे रसोई गैस से संबंधित बातचीत की। उनका एक ही सवाल था कि रसोई गैस की कीमतों में कटौती की जाए, ताकि उनका बजट न बिगड़े। इसी मांग को लेकर गांव की तमाम महिलाओं ने निर्मला सीतारमण को काफी देर तक घेरे रखा। निर्मला सीतारमण ने महिलाओं को जवाब देते हुए कहा कि रसोई गैस की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार द्वारा तय की जाती है। हमारे देश में रसोई गैस नहीं है। हम इसे केवल आयात कर रहे हैं, हम जब इसे आयात करते हैं, अगर वहां कीमत बढ़ती है तो यहां भी कीमत में वृद्धि हो जाती है। इसी तरह यदि वहां कीमतों में कमी होगी तो यहां भी कीमतें कम हो जाएंगी। वित्त मंत्री ने कहा कि हालांकि पिछले 2 सालों में कीमतें ज्यादा कम नहीं हुई हैं।

वित्?तमंत्री गांव की महिलाओं से बातचीत के बाद भारतीय जनता पार्टी के फंक्शनरी रेजिडेंस में पहुंचीं, जहां उन्होंने कमल के फूल के निशान को पेंट किया और चुनावी

अभियान की शुरुआत की। वित्तमंत्री ने लोकसभा चुनाव 2024 के अभियान की शुरुआत को 'वॉल टू वॉल' थीम का नाम दिया है। इसका मकसद हर गांव में दीवार पर भाजपा के चुनाव अभियान का प्रचार उकेरना है।

जहां भाजपा हारती है, वहां हिंसा जरुरी कराती है : संजय राउत

मुंबई । पश्चिम बंगाल में जारी हिंसा को लेकर महाराष्ट्र के नेता संजय राउत ने भाजपा को आड़े हाथों लिया है। ?हिंसा को लेकर इन दिनों राजनीतिक वार-पलटवार का दौर लगातार जारी है। भाजपा पश्चिम बंगाल हिंसा पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साध रही है। तो वहीं मुख्यमंत्री की ओर से भी हिंसा को लेकर भाजपा को जिम्मेदार बताया जा रहा है। इन सब के पीछे उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत का बड़ा बयान आया है। संजय राउत ने साफ तौर पर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां वह हारती है, हिंसा कराने की कोशिश करती है। अपने बयान में संजय राउत ने कहा कि कौन सा मुख्यमंत्री चाहेगा कि उसके राज्य में दंगे हों? पश्चिम बंगाल की स्थिति बिगाड़ने का काम वहां का विपक्षी दल भाजपा कर रही है। भाजपा पर निशाना साधते हुए संजय राउत ने साफ तौर पर कहा कि यह उनका मॉडल बन गया है कि जहां भी उनके हारने की स्थिति होती है वह दंगे कराती है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, बिहार में सब जगह भाजपा हार रही है और यही डर उनको सता रहा है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने हुगली जिले के रिशरा का दौरा किया, जहां कल पथराव हुआ था।

हमारे लोकतंत्र में संसद में बहुमत अहम, डिग्री का क्या काम: अजीत पवार

-प्रधानमंत्री के डिग्री पर सवाल किए जाने पर एनसीपी नेता ने दिया बयान

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता अजीत पवार ने 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्मे को दिया और कहा कि देश में महंगाई तथा युवाओं के लिए रोजगार प्रधानमंत्री की शैक्षणिक डिग्री से ज्यादा महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। पवार की टिप्पणी सहयोगी दल शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) से अलग है, जिसके नेता संजय राउत ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी को अपनी शैक्षणिक योग्यता के बारे में जानकारी देनी चाहिए और उनकी डिग्री को संसद भवन के प्रवेश द्वार पर लगा देना चाहिए।

विपक्ष द्वारा प्रधानमंत्री की शैक्षणिक योग्यता का मुद्दा उठाए जाने के बारे में पूछे जाने पर पवार ने सोमवार को पत्रकारों से कहा कि 2014 के आम चुनाव में क्या लोगों ने उनकी डिग्री देखकर उन्हें (मोदी को) वोट दिया था? 2014 में उन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक ऐसा करिश्मा, जो भाजपा के पास नहीं था। इसका पूरा श्रेय नरेन्द्र मोदी साहब को दिया जाना चाहिए। गुजरात उच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें गुजरात विश्वविद्यालय को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए कहा गया था।

अदालत ने केजरीवाल पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था। पवार ने कहा कि वहां डिग्री का क्या काम है? अभी तक हमारे लोकतंत्र में संसद में बहुमत को अहम माना जाता है। 543 सीट (लोकसभा में) में जिसके पास बहुमत होता है, वह सरकार का प्रमुख बनता है। इसी तरह हमारे राज्य में जो (कुल 288 विधानसभा सीटों में से) 145-146 विधानसभा सीटें जीतता है, वह मुख्यमंत्री बनता है।

पवार ने कहा कि वह (मोदी) नौ साल से देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मैंने देखा है कि उनकी या अन्य मंत्री की (शैक्षणिक) डिग्री का मुद्दा उठाया गया। यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा नहीं है, लेकिन महंगाई और बेरोजगारी जरूरी मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि रसोई गैस सिलेंडर और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं। युवाओं के मुद्दों, राज्य के विभिन्न विभागों में 75 हजार सीटें भरने की घोषणा, किसानों और मजदूरों के मुद्दों का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि कोई भी इस पर चर्चा नहीं करना चाहता। राकांपा के नेता ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इस (मोदी की शैक्षणिक डिग्री) मुद्दे को महत्व दिया जाना चाहिए।

सरकारी बंगला खाली करने पर राहुल को संत ने दिया अयोध्या आने का न्योता

अयोध्या। मानहानि मामले में सजा होने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद की सदस्यता भी छीन ली गई। इसके बाद उनसे दिल्ली का सरकारी बंगला खाली करने को भी कह दिया गया। इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने राहुल गांधी के समर्थन में कई कैंपेन शुरू किए हैं। इसमें से एक मेरा घर राहुल गांधी का घर भी है। इसी बीच अयोध्या में हनुमानगढ़ी से जुड़े एक संत ने राहुल गांधी को अयोध्या आकर रहने का ऑफर दिया है। अखिल भारतीय संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दास ने कहा है कि अगर वह अयोध्या में आकर रहना चाहते हैं तो उनका स्वागत है। वह आकर हनुमानगढ़ी परिसर में भी रह सकते हैं। संजय दास ने कहा कि अगर आवास खाली करने के बाद राहुल गांधी के पास रहने की जगह ना हो तो उनके लिए हनुमान जी के दरबार के द्वार खुले हुए हैं। वह यहीं आकर रहें और हनुमान जी के दर्शन भी करें। संजय दास के इस बयान के बाद तरह-तरह के कयास लगने लगे हैं।

चीन को पीएम की क्लीन चिट देने की कीमत चुका रहा है देश : जयराम रमेश

-अरुणाचल में 11 स्थानों के नाम की सूची चीन के जारी करने पर कांग्रेस नेता का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजिंग द्वारा अरुणाचल प्रदेश में 11 स्थानों का नाम बदलने के बाद मंगलवार को कांग्रेस ने आरोप लगाया कि देश जून 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चीन को क्लीन चिट देने की कीमत चुका रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्विटर पर कहा कि यह जून 2020 में पीएम मोदी द्वारा चीन को दी गई क्लीन चिट की कीमत है। लगभग तीन साल बाद चीनी सेना हमारे गश्ती दल को डेपसांग मैदानों तक जाने से रोक रही है, जहां तक हमारी पहले पहुंच थी और अब चीन अरुणाचल प्रदेश में हमारी स्थिति को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक शीर्ष चीनी राजनयिक ने हाल ही में दावा किया था कि भारत-चीन सीमा की स्थिति अब स्थिर है, लेकिन चीन के उकसावे और अतिक्रमण जारी हैं। इसने अब अरुणाचल प्रदेश में स्थानों के लिए चीनी नामों का तीसरा सेट जारी किया है, ऐसा पहले 2017 और 2021 में किया था।

जयराम ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहा है और रहेगा। अरुणाचल प्रदेश के लोग भारत के गौरवशाली और देशभक्त नागरिक हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए भारत और सभी भारतीयों के सामूहिक संकल्प पर कोई संदेह नहीं होना चाहिए। भारतीय राज्य पर अपने दावे पर फिर से जोर देने के अपने प्रयासों के तहत चीन ने सोमवार को अरुणाचल प्रदेश में उन 11 स्थानों की सूची जारी की, जिनके नाम उसने बदल दिए हैं। सरकार ने इस दावे को खारिज करते हुए अरुणाचल को भारत का अभिन्न अंग बताया।

हमारे लोकतंत्र में संसद में बहुमत अहम, डिग्री का क्या काम : अजीत पवार

-प्रधानमंत्री के डिग्री पर सवाल किए जाने पर एनसीपी नेता ने दिया बयान

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता अजीत पवार ने 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्मे को दिया और कहा कि देश में महंगाई तथा युवाओं के लिए रोजगार प्रधानमंत्री की शैक्षणिक डिग्री से ज्यादा महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। पवार की टिप्पणी सहयोगी दल शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) से अलग है, जिसके नेता संजय राउत ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी को अपनी शैक्षणिक योग्यता के बारे में जानकारी देनी चाहिए और उनकी डिग्री को संसद भवन के प्रवेश द्वार पर लगा देना चाहिए।

विपक्ष द्वारा प्रधानमंत्री की शैक्षणिक योग्यता का मुद्दा उठाए जाने के बारे में पूछे जाने पर पवार ने सोमवार को पत्रकारों से कहा कि 2014 के आम चुनाव में क्या लोगों ने उनकी डिग्री देखकर उन्हें (मोदी को) वोट दिया था? 2014 में उन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक ऐसा करिश्मा, जो भाजपा के पास नहीं था। इसका पूरा श्रेय नरेन्द्र मोदी साहब को दिया जाना चाहिए। गुजरात उच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें गुजरात विश्वविद्यालय को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए कहा गया था।

अदालत ने केजरीवाल पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था। पवार ने कहा कि वहां डिग्री का क्या काम है? अभी तक हमारे लोकतंत्र में संसद में बहुमत को अहम माना जाता है। 543 सीट (लोकसभा में) में जिसके पास बहुमत होता है, वह सरकार का प्रमुख बनता है। इसी तरह हमारे राज्य में जो (कुल 288 विधानसभा सीटों में से) 145-146 विधानसभा सीटें जीतता है, वह मुख्यमंत्री बनता है।

पवार ने कहा कि वह (मोदी) नौ साल से देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मैंने देखा है कि उनकी या अन्य मंत्री की (शैक्षणिक) डिग्री का मुद्दा उठाया गया। यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा नहीं है, लेकिन महंगाई और बेरोजगारी जरूरी मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि रसोई गैस सिलेंडर और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं। युवाओं के मुद्दों, राज्य के विभिन्न विभागों में 75 हजार सीटें भरने की घोषणा, किसानों और मजदूरों के मुद्दों का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि कोई भी इस पर चर्चा नहीं करना चाहता। राकांपा के नेता ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इस (मोदी की शैक्षणिक डिग्री) मुद्दे को महत्व दिया जाना चाहिए।

बंगाल की कानून व्यवस्था पर गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से मांगी रिपोर्ट, सुकांत मजूमदार ने अमित शाह को लिखा था पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने बंगाल सरकार से राज्य में बढ़ती हिंसा और राज्य में कथित रूप से बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति पर रिपोर्ट मांगी है। यह भाजपा के बंगाल प्रमुख सुकांत मजूमदार द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को 'राम भक्तों, आम हिंदू लोगों और रामनवमी के जुलूसों के दौरान हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं पर हाल ही में हुई हिंसा' के बारे में लिखे जाने के बाद आया है।

बता दें कि पश्चिम बंगाल में पुलिस ने निषेधाज्ञा का हवाला देते हुए लगातार दूसरे दिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को हुगली जिले के दंगा प्रभावित इलाकों का दौरा करने से रोक दिया। जिले के कई स्थानों पर दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा-144 के तहत निषेधाज्ञा लागू है, जहां रविवार को रामनवमी की शोभायात्रा के दौरान दो समूहों के बीच झड़प हो गयी थी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह दंगाइयों को बच कर भागने नहीं देंगी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पूर्व मेदिनीपुर जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रामनवमी की शोभायात्रा के दौरान हिंसा करा कर भगवान राम के नाम को बदनाम किया।

उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों में रामनवमी की शोभायात्रा के दौरान हुगली और हावड़ा जिलों में हिंसा की घटनाएं हुई हैं। ममता ने कहा, 'हुगली और हावड़ा में हिंसा के पीछे भाजपा का हाथ है।

'नीतीश और तेजस्वी मुसलमानों में डर पैदा करना चाहते हैं', ओवैसी बोले-

दंगे के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। रामनवमी के दिन बिहार के 2 जिलों में शुरू हुई हिंसा को लेकर राजनीति जबरदस्त तरीके से जारी है। बिहार के सासाराम और नालंदा में हिंसा हुई थी। इसको लेकर विपक्ष राज्य की नीतीश सरकार पर निशाना साधा रहा है। इन सब के पीछे एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी नीतीश सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने साफ तौर पर इसके लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार माना है। उन्होंने कहा कि दंगे को रोकना राज्य सरकार की जिम्मेदारी होती है और यह काम करने में नीतीश कुमार विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भी किसी राज्य में हिंसा होती है तो इसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार पर आती है।

ओवैसी ने कहा कि बिहारशरीफ में मदरसा अजीजिया को आग के हवाले किया गया, मुस्लिमों

की दुकानों को निशाना बनाया गया - इसके पीछे साजिश है। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जानते थे कि नालंदा एक संवेदनशील जिला है, फिर भी वहां अशांति थी। उन्होंने कहा कि बरसों से मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार इसे रोक नहीं पाए हैं। मैं नीतीश कुमार और राजद सरकार के व्यवहार की निंदा करता हूं कि वे इस मदरसे को जलाने और मस्जिद पर हमले को रोकने में पूरी तरह विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि दंगे के लिए नीतीश को कोई पछतावा नहीं है, उन्होंने कल इफ्तार में भी शिरकत की थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश और तेजस्वी राज्य में मुसलमानों में डर पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने सवाल किया कि नीतीश और तेजस्वी हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा क्यों नहीं किया।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि यह राज्य सरकारों की विफलता है, चाहे वह पश्चिम बंगाल सरकार हो या बिहार सरकार, या फिर कर्नाटक में इदरीस पाशा की मॉब लिंचिंग। सरकार क्या कर रही थी? उन्होंने दावा किया कि बिहार में मुसलमानों की संपत्तियों को लक्षित तरीके से जलाया गया था।

डीबीटी ने बनाया रिकॉर्ड, 2 साल में 13 सौ करोड़ का लेन-देन, ट्रांसफर की गई 12.5 लाख करोड़ की राशि

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार की डायरेक्ट बेनफिट ट्रांसफर (डीबीटी) योजना के तहत पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान 13 सौ करोड़ के लेन-देन के जरिये लाभार्थियों को लगभग 12.5 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड रकम ट्रांसफर की गई। यह राशि वर्ष 2014 के बाद से हुए कुल डीबीटी ट्रांसफर का लगभग 44 प्रतिशत है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में लगभग 6.17 लाख करोड़ रुपये लोगों को ट्रांसफर किए गए। वहीं वित्तीय वर्ष 2021-22 में 6.3 लाख करोड़ रुपये से ट्रांसफर किए गए थे। यह इससे पहले के वित्तीय वर्षों की तुलना में एक लंबी छलांग थी, जब कोविड-19 महामारी से पहले वित्तीय वर्ष 2019-20 में डीबीटी के तहत लोगों को 3.82 लाख करोड़ रुपये भेजे गए थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सीबीआई अधिकारियों को अपने संबोधन के दौरान डीबीटी का जिक्र किया था। उन्होंने कहा कि एक प्रधानमंत्री ने तो कहा था, एक रुपया जाता है 15 पैसा पहुंचता है, 85 पैसों की चोरी होती थी। पिछले दिनों मैं सोच रहा था कि हमने डीबीटी के द्वारा करीब 27 लाख करोड़ रुपये लोगों तक पहुंचाए हैं। अगर उस हिसाब से देखा जाए तो 27 लाख करोड़ में से करीब-करीब 16 लाख करोड़ कहीं चले गए होते।

पीएम ने इसके साथ ही कहा कि आज की ट्रिनिटी से हर लाभार्थी को उसका पूरा हक मिल रहा है। पीएम मोदी ने सोमवार को सीबीआई के कार्यक्रम में कहा कि इस व्यवस्था से 8 करोड़ से अधिक फर्जी लाभार्थी सिस्टम से बाहर हुए हैं, जो बेटी पैदा नहीं हुई वो विधवा हो जाती थी और विधवा पेंशन चलता था। डीबीटी से देश के करीब सवा 2 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचे हैं। पिछले वित्त वर्ष में जहां लगभग 587 करोड़ तो वहीं 2021-22 में 717 करोड़ डीबीटी ट्रांजेक्शन किए गए थे। भारत ने वर्ष 2014 से लेकर अब तक कुल करीब 29 लाख करोड़ रुपये का डीबीटी ट्रांसफर किया है, जिनमें से 44 प्रतिशत पिछले दो वर्षों में थे।

केंद्र सरकार ने सरकारी सहायता के गलत हाथों में जाने पर अंकुश लगाने के लिए डीबीटी के तहत योजनाओं की संख्या में वृद्धि की है। वर्ष 2022-23 में केंद्र ने गरीब लोगों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के जरिये 1.63 लाख करोड़ रुपये का राशन बांटा। वहीं वित्तीय वर्ष 2021-22 में यह आंकड़ा 2.17 लाख करोड़ रुपये था। यह बड़े पैमाने पर केंद्र द्वारा चलाई जा रही मुफ्त राशन योजना, पीएम अन्न योजना के कारण यह आंकड़ा था, जो कोविड-19 महामारी के दौरान शुरू की गई थी।

डीबीटी के तहत पिछले वित्तीय वर्ष में सबसे बड़ा भुगतान उर्वरक सब्सिडी के लिए किया गया था, जो 2021-22 में 1.23 लाख करोड़ से बढ़कर 2022-23 में 2.06 लाख करोड़ हो गया। इसकी तुलना में 2019-20 में पीडीएस के तहत डीबीटी भुगतान 0.8 लाख करोड़ रुपये और उर्वरक के तहत 0.46 लाख करोड़ रुपये रहा था। वर्तमान में केंद्र सरकार की 310 योजनाएं डीबीटी के दायरे में आती हैं। सरकार का कहना है कि उसने विभिन्न योजनाओं के तहत फर्जी लाभार्थियों को हटाकर डीबीटी के माध्यम से लगभग 2.73 लाख करोड़ रुपये बचाए हैं।

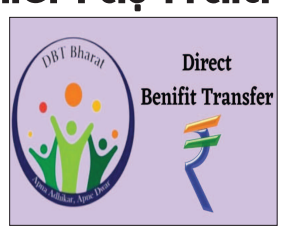

अमेरिकी सैन्य स्थलों से खुफिया जानकारी जुटाई चीनी जासूसी गुब्बारों ने

वाशिंगटन । अमेरिकी एफ-22 फाइटर जेट द्वारा 4 फरवरी को मार गिराए गए संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे ने कई संवेदनशील अमेरिकी सैन्य स्थलों से खुफिया जानकारी हासिल करने में कामयाबी हासिल की। यह जानकारी अधिकारियों के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में दी गई है । एक मी ?डिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से कहा गया है, चीनी गुब्बारा अमेरिकी सैन्य स्थलों के ऊपर से कई बार उड़ा और जानकारियों को बीजिंग को भेजा। चीन ने जो खुफिया जानकारी एकत्र की थी, वह ज्यादातर इलेक्ट्रॉनिक संकेतों से थी, जिसे हथियार प्रणालियों से उठाया जा सकता है या छवियों के बजाय आधार कर्मियों से संचार शामिल किया जा सकता है । संदिग्ध जासूसी गुब्बारा, जिसे अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने पहली बार 2 फरवरी को ट्रैक करने की घोषणा की थी, दो दिन बाद मार गिराया गया था। गुब्बारे को 5 फरवरी को दक्षिण कैरोलिना में मर्टल बीच के तट से पुन: प्राप्त किया गया था। अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि चीन संवेदनशील साइटों से बहुत अधिक खुफिया जानकारी एकत्र कर सकता था। एक प्रेस वार्ता में, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता किर्बी जॉन ने यह टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि गुब्बारा किस तरह के इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल या संचार तक पहुंच सकता है। किर्बी ने कहा, यह जानते हुए कि यह अमेरिकी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने जा रहा था, हमने सीमित करने के लिए कार्रवाई की।

यूक्रेन भी रूस पर जबर्दस्त हमलावर, रूस का 14 खतरनाक ड्रोन मार गिराया

कीव । रूस और यूक्रेन के बीच एक साल से जंग जारी है, यूक्रेन भी रूस से पीछे हटने को तैयार नहीं है और दोनों तरफ से हमले जारी हैं। वहीं यूक्रेनी सेना ने रूस की ओर से बीती रात छोड़े गए 17 ड्रोन में से 14 को मार गिराने का दावा किया है। यूक्रेनी सेना ने बयान जारी करते हुए बताया कि ये सभी ईरान के बनाए शहीद ड्रोन थे। मीडिया के अनुसार आर्मी कमांड ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर एक बयान में कहा है कि कुल मिलाकर 17 यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) अटैक रिकॉर्ड किए गए, जिन्हें संभवत- अजोव सागर के पूर्वी तट क्षेत्र से लॉन्च किया गया था। यूक्रेन के दक्षिण सैन्य कमान ने कहा कि एक ड्रोन ने ओडेसा क्षेत्र में एक उद्यम को टक्कर मार दी, जिससे वहां आग लग गई, जिसे सुबह तक बुझा लिया गया। मीडिया के अनुसार कमांड ने एक बयान में कहा कि शुरुआती जानकारी के अनुसार इस ड्रोन हमले में कोई मानवीय नुकसान नहीं हुआ है। यूक्रेन के बखमुत शहर और उसके आसपास के इलाके में भीषण लड़ाई जारी है। इससे पहले कीव ने पूर्वी यूक्रेन के इस शहर के प्रशासनिक केंद्र पर कब्जा करने के रूसी दावों को यह कहते हुए का मज़ाक उड़ाया कि उसके दुश्मनों ने किसी तरह के शौचालय' पर जीत का झंडा बुलंद किया था। यूक्रेन और रूस की जंग अब अपने दूसरे साल में पहुंच गई है, जिसमें दोनों पक्षों से अब तक कई लोग हताहत हुए हैं और कई शहर बड़े पैमाने पर बमबारी से नष्ट हो गए हैं। इस दौरान बखमुत के खनन शहर और रसद केंद्र पर कब्जे के लिए जारी लड़ाई इस जंग के सबसे खूनी संघर्षों में से एक रही है।

द हेग के पास ट्रेन के आंशिक रूप से पटरी से उतरने से एक की मौत, 30 घायल

द हेग। द हेग के पास मंगलवार तड़के एक ट्रेन के आंशिक रूप से पटरी से उतरने के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गयी तथा करीब 30 यात्री घायल हो गए। उनमें से कुछ की हालत नाजुक है । पटरी से उतरने के बाद ट्रेन का एक डिब्बा खेत में जा गिरा। टीवी पर प्रसारित तस्वीरों में एक व्यक्ति को ट्रेन तक पहुंचने के लिए रेलमार्ग के करीब बह रही नहर को पार करने के लिये अस्थायी पुल का उपयोग करते देखा गया। घायलों का रेल मार्ग के समीप स्थित मकानों में इलाज किया गया और बाद में एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। यह हादसा द हेग के करीब बसे वूरशोटेन शहर के पीस सुबह करीब तीन बजकर 25 मिनट पर हुआ। वूरशोटेन के मेयर नादिन स्टेमर्डिंक ने एक बयान में कहा कि यह दुखद घटना है। मेरी पीड़ितों के प्रति सहानुभूति है। दुर्भाग्यपूर्ण रूप से एक व्यक्ति की मौत हुई है। हादसे में जान गंवाने वाले तथा घायल लोगों के परिवारों और दोस्तों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। स्थानीय दमकल सेवा की प्रवक्ता इंग्रिद डी रोस ने बताया कि ट्रेन के पीछे की ओर आग लगी, लेकिन उसे फौरन बुझा दिया गया था। रेल नेटवर्क कंपनी प्रो रेल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉन वोपेन ने हादसे को ''डच रेलवे के लिए काला दिन बताया।

'भारतीय हिंदू हूं इसलिए चुनाव लड़ने से रोका', लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के छात्र को इलेक्शन से किया गया डिस्क्वालीफाई

लंदन। लंदन के एक कॉलेज में भारतीय मूल के छात्र के साथ धर्म और देशविरोधी बयानों के खिलाफ बोलने को लेकर भेदभाव किए जाने का मामला सामने आया है। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (LSE) में अंतरराष्ट्रीय कानून में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे एक भारतीय छात्र का दावा है कि छात्र संघ (LSESU) के चुनाव से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद उसे कैंपस में हिंदू और भारतीय होने के कारण क्रूर नस्लवाद का सामना करना पड़ा। गुड़गांव के करण कटारिया जिन्होंने नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी में अपनी पहली डिग्री हासिल की है। अंग्रेजी अखबार टीओआई से बात करते हुए उन्होंने बताया कि वो अपनी मास्टर डिग्री शुरू करने के लिए पिछले सितंबर में यूके पहुंचे। वह विश्वविद्यालय जाने वाले अपने परिवार के पहले सदस्य हैं। 29 मार्च को मतदान होने के बाद उन्हें रिटर्निंग ऑफिसर से एक पत्र मिला जिसमें कहा गया था कि उन्हें कई शिकायतें मिली थीं कि वह 'एक चरमपंथी संगठन के सदस्य' थे, लेकिन उन्हें उनके द्वारा किसी भी असहिष्णुता या भेदभावपूर्ण व्यवहार का कोई सबूत नहीं मिला। उन्होंने कहा कि मेरी इमेज को बदनाम करने के लिए कई झूठे आरोप लगाए गए, जबकि मैंने हमेशा बदलाव और सामाजिक के फायदे की बात कही है।

बांग्लादेश के कपड़ा बाजार में भीषण आग लगी, किसी के हतातहत होने की खबर नहीं

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी में सबसे बड़े कपड़ा बाजारों में से एक कपड़ा बाजार में मंगलवार को भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार ने अधिकारियों के हवाले से खबर दी कि सुबह छह बजकर करीब 10 मिनट पर बंगबाजार में आग लग गई, लेकिन किसी के हतातहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन सेवा और नागरिक रक्षा नियंत्रण कक्ष के उप अधिकारी रफी अल फारूक के मुताबिक, दमकल की 47 इकाइयां आग पर काबू पाने के लिए मशक्कत कर रही हैं। आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। अग्निशमन सेवा में मीडिया विभाग के अधिकारी अनवर-उल-इस्लाम डोलोन ने कहा कि आग लगने की सूचना मिलने के दो मिनट के अंदर ही दमकल कर्मियों की एक इकाई मौके पर पहुंच गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगने की खबर सुनकर दुकानों के मालिक और कर्मचारी मौके पर पहुंच गये। उन्हें अपनी दुकानों से सामान निकालकर सुरक्षित स्थान पर ले जाते देखा गया। बंगबाजार, देश के सबसे बड़े कपड़ा बाजारों में से एक है, जहां कपड़ों की टिन और लकड़ी से बनी दुकानें हैं।

इंडोनेशिया में आया 6.4 तीव्रता का भूकंप, कोई नुकसान व हताहत नहीं

जकार्ता (ईएमएस)। इंडोनेशिया के पश्चिमी प्रांत उत्तरी सुमात्रा में भूकंप आया। रिएक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.4 मापी गई, इसमें किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी। प्रांत के सर्च और रेस्क्यू ऑफिस की ऑपरेशन यूनिट के प्रमुख जूल इंद्र ने कहा कि सोमवार देर रात आए भूकंप से कोई नुकसान या हताहत नहीं हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार : कोई इमारत या घर नष्ट नहीं हुआ है। किसी व्यक्ति की मौत या घायल होने की भी सूचना नहीं है। भूकंप रात 9.59 बजे आया। मीडिया ने बताया कि भूकंप का केंद्र पडंग सिदेमपुआन शहर से 82 किमी दक्षिण पश्चिम में और समुद्र तल के नीचे 102 किमी की गहराई में स्थित है।

ताइवान में एक समारोह के दौरान बेलीज के प्रधानमंत्री जॉन ब्रिसेनो के साथ एक कार्यक्रम में ताइवन की राष्ट्रपति तसाई इन वेंग ने पांच हजार लैपटॉप देने का करार किया।

आतंकवाद के 3 मामलों में इमरान खान की जमानत 13 अप्रैल तक बढ़ाई

इस्लामाबाद। पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई के प्रमुख इमरान खान को लाहौर की आतंकवाद-रोधी अदालत ने मंगलवार को 3 मामलों में अंतरिम जमानत दे कर आतंकवाद के 3 मामलों में उनकी जमानत 13 अप्रैल तक बढ़ा दी है। लाहौर में एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने पूर्व पीएम और पीटीआई प्रमुख इमरान खान को आगजनी, पुलिस के खिलाफ हिंसा, बर्बरता और जिले शाह हत्या से संबंधित तीन मामलों में अंतरिम जमानत दे दी है। मीडिया के अनुसार रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि अदालत ने 3 मामलों में अंतरिम जमानत को 13 अप्रैल तक बढ़ा दिया है।

पाक ते जिले शाह हत्याकांड, आगजनी, और राज्य के मामलों में हस्तक्षेप तीन उदाहरण थे जिनमें पीटीआई अध्यक्ष जमानत के लिए अदालत में उपस्थित हुए। एक चैनल ने बताया कि आतंकवाद विरोधी और सहायता और उकसाने वाले कानूनों के तहत पीटीआई प्रमुख के खिलाफ रेस कोर्स पुलिस स्टेशन में कई मामले दर्ज किए गए थे। खान ने भारी सुरक्षा के बीच एटीसी में प्रवेश किया क्योंकि जमानत पर उनकी रिहाई की शर्त के रूप में न्यायाधीशों ने जमानत के विस्तार की अपील के लिए व्यक्तिगत रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। तोशखाना उपहार मामले में खान को पकड़ने के लिए पीटीआई सदस्यों और पुलिस के बीच हुई झड़पों में लाहौर पुलिस ने खान पर ये मामले दर्ज किए थे।

4 अंतरिक्ष यात्रियों को अगले साल चांद पर भेजेगा नासा

पहली बार चंद्रमा की कक्षा में पहुंचेगी महिला अंतरिक्ष यात्री

- 50 साल बाद नासा का मून मिशन

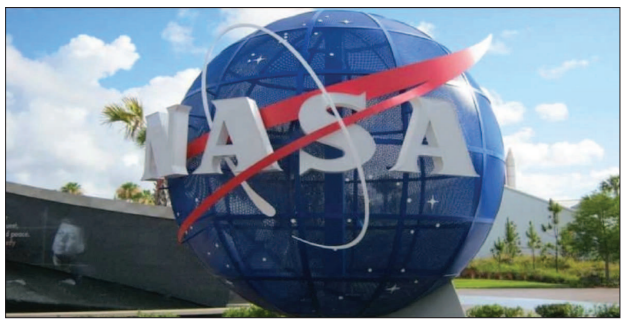

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। चांद पर इंसानों के उतरने के 50 साल बाद नासा ने एक बार फिर मून मिशन का ऐलान कर दिया है। इस बार चार अंतरिक्ष यात्रियों में क्रिस्टीना हैमोक कोच भी शामिल हैं। इसके अलावा विक्टर ग्लोवर पहले अश्वेत अंतरिक्ष यात्री होंगे। जानकारी के मुताबिक 2025 की शुरुआत में नासा यह मिशन लांच कर सकता है। अंतरिक्ष यात्रियों में रीड विस्मैन और जेरेमी हैनसेन भी शामिल हैं। बता दें कि अब तक केवल पुरुष अंतरिक्ष यात्री ही चंद्रमा की कक्षा या फिर सतह तक पहुंचे हैं। पहली बार ऐसा हो रहा है कि महिला अंतरिक्ष यात्री भी चंद्रमा की कक्षा में पहुंचेगी। यह मिशन लगभग 10 दिनों का होगा। इस दौरान सभी अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा के चारों ओर चक्कर लगाएंगे। वे चंद्रमा की सतह पर नहीं उतरेंगे।कोच ने इस मिशन के बारे में कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है। मुझे लगता है कि यह मिशन अपने आप में शानदार है। हम दुनिया की सबसे ताकतवर रॉकेट में सवार होने जा रहे हैं। पहले यह हजारों मील की ऊंचाई पर जाएगी और सारे सिस्टम को चेक किया जाएगा। इसके बाद यह चांद की ओर रवाना हो जाएगी। बता दें कि नासा ने इससे पहले 1972 में अपोलो मिशन लांच किया था। इसके बाद दोबारा कोई इंसान चांद में पर नहीं उतरा। क्रिस्टिना कोच ने 2013 में नासा जॉइन किया था। वह आईएसएस में एक फ्लाइट इंजिनियर थीं। वह पहले भी 328 दिन अंतरिक्ष में बिता चुकी हैं। वहीं जेरेमी हैन्सन कनाडा के रहने वाले हैं और 47 साल के हैं। वह एक फाइटर पायलट रह चुके हैं। वहीं रीड वाइसमैन अमेरिकी नौसेना में पायलट रह चुके हैं। इसके अलावा वह नासा के साथ भी काम कर चुके हैं।

श्रीलंका ने नीतिगत सुधार और सुशासन स्थापित करने में भारत से मांगी मदद

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने देश में नीतिगत सुधार, शासन, क्षमता निर्माण, डिजिटलीकरण और सार्वजनिक सेवा वितरण स्थापित करने में भारत से मदद मांगी है। केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने एक बयान जारी कर ये जानकारी दी है। नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (एनसीजीजी) के महानिदेशक भरत लाल के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने श्रीलंका के राष्ट्रपति से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने नीतिगत सुधार, सुशासन, डिजिटलीकरण, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण, संस्था निर्माण और सुनिश्चित सार्वजनिक सेवा वितरण जैसे विषयों पर चर्चा की।

इस दौरान श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने भारत के सामाजिक आर्थिक विकास और उच्च आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के तरीकों की प्रशंसा की। बयान के अनुसार बैठक में राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने श्रीलंका के लिए अपना दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने बताया कि हाल की आर्थिक चुनौतियों का समाधान करने और देश को उच्च आर्थिक विकास के रास्ते पर लाने की उनकी रणनीति क्या है? उन्होंने एनसीजीजी से श्रीलंका में शासन और लोक नीति विश्वविद्यालय स्थापित करने में मदद करने का भी आग्रह किया।श्रीलंकाई राष्ट्रपति कार्यालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया कि बैठक के दौरान भरत लाल ने सूचना प्रौद्योगिकी की मदद से सार्वजनिक सेवा मुहैया कराने में भारत की सफलता को साझा किया, जिसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण प्रगति और लागत बचत हुई। दोनों पक्षों ने प्रभावी निगरानी उपायों को लागू करके देश की सिविल सेवाओं की क्षमता बढ़ाने और सरकारी संस्थानों के प्रदर्शन में सुधार करने के तरीकों पर भी चर्चा की।

फिनलैंड के नाटो मेंबर बनने से अमेरिका ने पुतिन की टेंशन बढ़ा दी

ब्रसेल्स (एजेंसी)। यूक्रेन पर रूस के हमले के बीच अमेरिका के नेतृत्व वाले संगठन नाटो का दायरा बढ़ गया है। फिनलैंड नाटो का औपचारिक सदस्य बनने जा रहा है। फिनलैंड का नाटो की सदस्यता लेना इसलिए भी अहम है क्योंकि वह रूस का पड़ोसी है और 1,300 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। फिनलैंड की एंट्री के साथ ही रूस से लगने वाली नाटो देशों की सीमा दोगुनी हो जाएगी। नाटो के सेक्रेटरी जनरल जेन्स स्टोलनबर्ग ने कहा ?कि हम फिनलैंड का अपने 31वें सहयोगी के तौर पर स्वागत करेंगे। इससे फिनलैंड सुरक्षित होगा और हमारी ताकत भी बढ़ेगी। उन्होंने इस कदम को ऐतिहासिक करार दिया। फिनलैंड के राष्ट्रपति साउली निनिस्टो आज ब्रसेल्स जाएंगे और नाटो की सदस्यता को लेकर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

गौरतलब है ?कि बीते साल यूक्रेन पर किए गए रूसी हमले के बाद से ही पड़ोसी देशों में डर का माहौल है। यूक्रेन नाटो का मेंबर नहीं है और इसी के चलते इन देशों ने खुलकर उसकी मदद नहीं की है। ऐसे में फिनलैंड और स्वीडन जैसे देशों ने नाटो की मेंबरशिप लेने का फैसला लिया है ताकि भविष्य में रूस हमला करता है तो उसे नाटो का सक्रिय सहयोग मिल सके। फिलहाल फिनलैंड को नाटो में लेने की सहमति बन गई है, लेकिन तुर्की के ऐतराज के चलते अब तक स्वीडन को लेकर फैसला नहीं हो सका है।

बीते सप्ताह ही तुर्की की संसद ने प्रस्ताव पारित कर फिनलैंड को नाटो में लेने का रास्ता साफ कर दिया था, लेकिन स्वीडन को लेकर अभी फैसला लेना बाकी है। स्टोलनबर्ग ने कहा कि रूस ने यूक्रेन पर यह कहते हुए हमला किया था कि वह वादा करे कि नाटो में शामिल नहीं होगा। लेकिन उसके हमले का असर उलटा हुआ है। यूक्रेन ने अब तक वादा नहीं किया है और दूसरे पड़ोसी देशों ने भी नाटो का रुख कर लिया है। गौरतलब है कि रूस ने पड़ोसी देश बेलारूस की सीमाओं पर परमाणु हथियारों की तैनाती का ऐलान किया है। इसके चलते टेंशन और बढ़ गई है।

अपने दुश्मन देशों से निपटने के लिए अमेरिका से एक बड़ी डील कर रहा भारत, खरीदे जाएंगे तीस करोड़ डॉलर के हथियार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपने सैन्य हार्डवेयर सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। भारत हेलफायर मिसाइल और मार्क 54 पनडुब्बी रोधी टॉरपीडो सहित अमेरिकी हथियार खरीदने के लिए जल्द ही संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक हथियार समझौते पर हस्ताक्षर करने जा रहा है। इन हथियारों को 24 एमएच-60 हेलीकॉप्टरों में लगाया जाएगा जो निकट भविष्य में पूरी तरह से नौसेना में शामिल होने जा रहे हैं। एमएच-60 रोमियो हेलिकॉप्टरों के लिए हथियार पैकेज खरीदने के प्रस्ताव को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है और सौदे पर जल्द हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। शीर्ष सरकारी अधिकारियों के सूत्रों से बताया गया है कि यह सौदा विदेशी सैन्य बिक्री मार्ग के तहत किया जाएगा। हेलफायर मिसाइल मिसाइलों

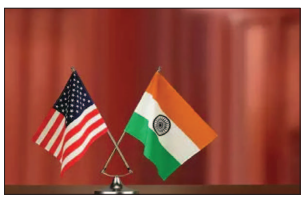

एक पावरफुल एंटी शिपिंग हथियार है। . इसकी मदद से टैंक और कमांड पोस्ट को असानी से टारगेट किया जा सकता है। इस मिसाइल के कई वैरिएंट्स हैं। टैंक और मोटी कॉन्क्रीट की दीवार में विस्फोट करने में सक्षम है. इस मिसाइल की बड़ी बात यह है कि यह हवा से हवा में भी वार कर सकती है। इसे पहले से ही भारतीय नौसेना के पी-8आई पनडुब्बी रोधी युद्ध और निगरानी विमानों में शामिल किया गया है। भारत और अमेरिका ने 2020 में लॉकहीड मार्टिन से 24 एमएच-60 रोमियो हेलीकॉप्टर खरीदने के लिए 16,000 करोड़ रुपये से अधिक के सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं, जो प्रक्रिया को तेज करने के लिए सरकार से सरकार के सौदे में फास्ट-ट्रैक प्रक्रियाओं के तहत है। 24 एमएच-60 रोमियो मल्टीमोड राडार और नाइट-विज़न उपकरणों के साथ-साथ मिसाइलों, टॉरपीडो और अन्य सटीक-निर्देशित हथियारों से लैस होंगे। एमएच-60एस सी किंग हेलिकॉप्टरों की जगह लेने जा रहे हैं जो बहुत जल्द सेना से बाहर हो जाएंगे। एमएच-69 हेलीकॉप्टर फ्रिगेट, डिस्ट्रॉयर, क्रूजर और एयरक्राफ्ट कैरियर से संचालित हो सकते हैं।

पाकिस्तान में मार्शल लॉ की चर्चा हो गई तेज, इमरान के बाद अब बिलावल भुट्टो ने भी इससे जुड़ी आशंका जताई

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने फुल कोर्ट गठित नहीं होने की स्थिति में देश में आपातकाल या मार्शल लॉ लगाने की आशंका जताई है। बिलावल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष भी हैं। लरकाना में मीडिया से बात करते हुए भुट्टो ने ये टिप्पणी की है। उनकी पार्टी खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब चुनावों पर तीन न्यायाधीशों के किसी भी फैसले को स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी पूर्ण न्यायालय के फैसले को स्वीकार करेगी और उसे लागू भी करेगी। विदेश मंत्री ने कहा कि तीन न्यायाधीशों के फैसले को स्वीकार नहीं किया जाएगा क्योंकि उनमें से एक ने पीडीएम पंजाब सरकार को विपक्षी पीटीआई को सौंप दिया था। द न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश से राष्ट्र के व्यापक हित में पूर्ण अदालत गठित करने को कहा। बिलावल ने कहा कि पाकिस्तानी सेना, रेंजर्स, पुलिस और एलईए ने कुर्बानी देकर आतंकवाद का सफाया किया और पाकिस्तान में शांति बनाए रखी, लेकिन अयोग्य, ÷मूर्ख÷ इमरान खान ने आतंकवादियों को बढ़ावा दिया। उन्होंने पूर्व प्रधान मंत्री पर अफगानिस्तान से आमंत्रित करके पाकिस्तान में आतंकवादियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया, यह कहते हुए कि पीटीआई प्रमुख की नीतियों ने भी आतंकवादियों के नेटवर्क को मजबूत करने का नेतृत्व किया।

अब चीन ने की नक्शे वाली साजिश, भारत की दो टूक, अविष्कार से वास्तविकता नहीं बदलने वाली

बीजिंग (एजेंसी)। चीन भारत के खिलाफ अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। बीजिंग ने अरुणाचल प्रदेश पर अपने दावे पर एक बार फिर से जोर देने के मकसद से चीनी नामों का तीसरा सेट जारी कर दिया है। इसमें अरुणाचल प्रदेश के नक्शे में 11 जगह के नाम अब बदले हुए दिखाई दे रहे हैं। इस पर अब विदेश मंत्रालय का बयान सामने आया है। उनका कहना है कि ये पहली बार नहीं है जब चीन ने इस तरह की कोशिश की है। हम इसे सिरे से खारिज करते हैं।

ड्रैगन हमेशा से अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा करता रहा है। भारत के किसी भी नेता के अरुणाचल प्रदेश का दौरा करने पर वो चिढ़ जाता है। लेकिन अब उसने तो दो कदम आगे बढ़ाते हुए अपने भौगोलिक नक्शे पर अरुणाचल की जगहों के नाम भी बदल दिए हैं। चीन 2017 से अब तक तीन बार अपने भौगोलिक नक्शे पर भारतीय जगहों का नाम बदलने का दुस्साहस कर चुका है। लेकिन अप्रैल को जारी चीन के नए लिस्ट में अरुणाचल के 11 इलाकों के नाम बदले हुए हैं। जिनमें दो जमीनी और दो रिहायिशी इलाके हैं। जबकि पांच पहाड़ियांऔर दो नदियों के नाम भी शामिल है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा मानता है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब चीन ने ऐसा प्रयास किया है। हम इसे सिरे से खारिज करते हैं। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न, अविच्छेद्य अंग है। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि आविष्कार किए गए नामों को सौंपने का प्रयास इस वास्तविकता को नहीं बदलेगा।

संपादकीय

डिजिटल व्यापार

आज का समय वैज्ञानिक तरक्की का युग है। सत्य कहें तो आज डिजिटल का ही सतयुग है। जो नहीं जानता इन उंगुलियों का हुनर सही से उसकी आज कोई कदर ही नहीं है । या यो कहे की उसको सब आऊट ऑफ डेट समझते है । आज के समय के अनुरूप रिश्तो में डिजिटल बन अब हम लाइक, कमेंट आदि से दूर बैठ भी सभी तरीके से द्वेष को मिटा सकते है । वह साथ में मृदुता बढाकर रिश्तों को निखार सकते है । क्योंकि जाना - आना किसी के लिये भी हर समय तुरन्त सम्भव नहीं होता है । काम के लिये हर नोटिफिक्केसन पर मौजूदगी जैसे फोन के स्क्रीन पर, आइपैड पर, लैपटॉप आदि पर अंगुलियाँ को एक एकाउंट से दूसरे एकाउंट में चक्कर लगाना ही पड़ता हैं। आज के जमाने के अनुसार कुछ ईमेल,टेक्स्ट,कॉलस और विडियो जरूरी है । उचित है हम सही से जानकर करें इनका सही से समुचित उपयोग करना जाने । इनके साथ जुड़ाव भी उपयोगिता तक जरूरी है । आज इस वैज्ञानिक युग में डिजिटल उपकरणो का प्रयोग समय की माँग के अनुरूप इस हद तक बढ़ गया कि उनके बिना काम भी नहीं चलता है । यह नितांत आवश्यक भी है । माना की एक समय हम अपने बच्चों को मोबाइल से दूर रखते थे।पर आज इस कोरोना काल के बाद में हर बच्चे के हाथ में मोबाइल या कम्प्यूटर ज़रूरी हो गया है । क्योंकि इन डिजिटल उपकरणो का उपयोग तरक़्क़ी के लिये अति आवश्यक है। डिजिटल संसाधन आधुनिक युग की धुरी है । संसार को अपनी ज़रूरतों के अनुसार डिजिटल व्यापार को जहान बना दिया है । आज इस वैज्ञानिक युग में डिजिटल उपकरणो का प्रयोग आवश्यक है उनके बिना काम भी नहीं चलता है । आज के युग में इन उपकरणों का नितान्त ज़रूरी जो हो गया है क्योकि इनके बिना कई आवश्यकतायें भी पूरी नहीं हो पाती है । अतः न चाहते हुए भी इनका उपयोग करना मजबूरी बन गया है । आज के काल में भी आदिम सभ्यता का वस्तु विनिमय ,धातु और कागजी मुद्राओं से लेकर आधुनिक डिजिटल मनी सभी प्रचलित है पर अब स्वरूप बदल गया है । मानव सभ्यता का तेजी से विकास हुआ और उसके मन में यह भाव आया कि डिजिटल व्यापार की ताकत ही जीवन में आज के समय में सबसे बड़ा साधन है। उसके बिना जीवन सूना है । उस के बल पर दुनिया में वह प्रमाणिक तरीके से कुछ भी कर सकता है । डिजिटल व्यापार आज के समय की माँग है । मैंने देखा समझा व अनुभव आदि किया है की विश्व में कई वस्तु कही अधिक है तो कई कम है । इस सन्तुलन को सही से पाटने व क्षेत्रों में अपनी माँग के अनुसार वस्तु की उपलब्धता सुनिश्चित करने में डिजिटल व्यापार अपना अमूल्य योगदान देते है । इस डिजिटल व्यापार से हम आसानी से यह जान लेते है की कौनसी वस्तु की विश्व व देश में कहाँ उपलब्धता सुगम है । जरूरत है सोद्देश्य डिजिटल व्यापार को आज के समय की माँग के अनुरूप इसका सही से उपयोगिता समझकर प्रयोग करने की।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

अंतरिक्ष में इसरो के बढ़ते कदम

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

विशेष लेख/ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) अंतरिक्ष की दुनिया में निरन्तर नए-नए इतिहास रच रहा है। पिछले कुछ वर्षों में इसरो के वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में कई बड़े मुकाम हासिल किए हैं और अब इसरो ने पिछले दिनों कुल 5805 किलोग्राम वजनी 36 उपग्रह एक साथ लांच कर एक बार फिर नया इतिहास रच दिया। इसरो के बाहुबली कहे जाने वाले सबसे भारी भरकम प्रक्षेपण यान 'एलएमवी3' (लांच व्हीकल मार्क-3) ने ब्रिटिश कम्पनी के इन उपग्रहों को लेकर आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से उड़ान भरी और इन उपग्रहों को लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) पर लांच कर दिया। इसरो द्वारा इस रॉकेट मिशन कोड का नाम एलएमवी3-एम3/वनवेब इंडिया-2 मिशन रखा गया था। रॉकेट लांच होने के 19 मिनट बाद ही उपग्रहों के अलग होने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी और सभी 36 उपग्रह अलग-अलग चरणों में पृथक हो गए। लो अर्थ ऑर्बिट पृथ्वी की सबसे निचली कक्षा होती है और ब्रिटेन (यूके) स्थित नेटवर्क एक्सेस एसोसिएटेड लिमिटेड (वनवेब) के 36 उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने के बाद अब पृथ्वी की निचली कक्षा में उपग्रहों के समूह की पहली पीढ़ी पूरी हो गई है। इस सफल अभियान से दुनिया के प्रत्येक हिस्से में स्पेस आधार ब्रॉडबैंड इंटरनेट योजना में मदद मिलेगी। इस वर्ष फरवरी माह में एसएसएलवी-डी2/ईओएस07 मिशन के सफल लांच के बाद इसरो का यह दूसरा सफल लांच था। इसरो का 43.5 मीटर लंबा और 643 टन वजनी भारतीय रॉकेट एलएमवी3 अब तक चंद्रयान-2 मिशन सहित पांच सफल उड़ानें पूरी कर चुका है और 26 मार्च को इसकी छठी सफल उड़ान थी। एलएमवी3 को पहले जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लांच व्हीकल एमके3 (जीएसएलवी एमके3) के नाम से जाना जाता था।

ब्रिटिश स्टार्टअप कम्पनी वनवेब में भारती एंटरप्राइजेज (एयरटेल) भी शेयर होल्डर है और वनवेब के 36 उपग्रहों की यह अंतिम किस्त थी। वनवेब के पास अभी तक अंतरिक्ष की कक्षा में 582 उपग्रह थे और अब इसरो का यह मिशन सफल होने के बाद भारत के भारती एंटरप्राइजेज और यूके सरकार की ओर से समर्थित ब्रिटेन की कम्पनी वनवेब के पास अंतरिक्ष में परिक्रमा करने वाले 618 उपग्रह हो गए हैं। वनवेब जेन-1 सैटेलाइट 150 किलोग्राम वर्ग के हैं। 26 मार्च को इसरो द्वारा लांच किए गए 36 उपग्रह वनवेब के लिए 18वां लांच था। वनवेब के मुताबिक इन उपग्रहों के जरिये वनवेब भारत सहित वैश्विक कवरेज देने में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। वनवेब के उपग्रह प्रक्षेपणों के जरिये भारत के विभिन्न उपक्रमों के अलावा स्कूलों, गांवों, नगर निगमों, कस्बों सहित उन क्षेत्रों में भी सुरक्षित सम्पर्क की सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी, जहां फिलहाल पहुंच बनाना मुश्किल है। तारामंडल में 648 अलग-अलग उपग्रह शामिल हैं, जिनमें से 588 सक्रिय उपग्रह 12 विमानों में समान रूप से अलग होकर पृथ्वी की सतह से करीब 1200 किलोमीटर की ऊंचाई पर संचालित होते हैं। अंतर-विमान टकराव को रोकने के लिए प्रत्येक विमान को ऊंचाई में 4 किलोमीटर से अलग किया जाता है। पेलोड एक बेंट-पाइप सिस्टम है, जो कू और के बैंड में काम करता है। फॉरवर्ड लिंक गेटवे से के-बैंड सिग्नल को उपग्रह के एंटीना के माध्यम से प्राप्त करता है। इसरो के मुताबिक वापसी लिंक उपग्रह के एंटीना के माध्यम से उपयोगकर्ता टर्मिनलों (यूटी) से केयू-बैंड सिग्नल प्राप्त करता है।

वनवेब का इसरो की वाणिज्यिक शाखा 'न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड' (एनएसआईएल) के साथ कुल 72 उपग्रह लांच करने का एक हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की लांच फीस का करार हुआ था, जिसमें से एक पिछले साल पूरा हो हो गया था, जब एलएमवी3 रॉकेट से ही इसरो ने 23 अक्तूबर 2022 को वनवेब के 36 उपग्रह लांच किए थे। अब फिर से इसी भारी भरकम रॉकेट से दूसरी बार इसी निजी कम्पनी के 36 उपग्रह सफलतापूर्वक लांच किए गए हैं और इस प्रकार एलएमवी3 की सफलता दर सौ फीसदी है। एलएमवी3 तीन चरणों वाला रॉकेट है, जिसमें पहले चरण में तरल ईंधन, ठोस ईंधन द्वारा संचालित दो स्ट्रैप-ऑन मोटर, तरल ईंधन द्वारा संचालित दूसरा और क्रायोजेनिक इंजन होता है। इसरो के इस भारी भरकम रॉकेट की क्षमता एलईओ तक 10 टन और जियो ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) तक चार टन वजन ले जाने की है। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ के मुताबिक एलएमवी3 रॉकेट में गगनयान मिशन के लिए जरूरी लांचरों की ही भांति एस200 मोटर्स लगाए गए थे। एलवीएम3-एम3 रॉकेट में एस200 मोटर्स भी हैं, जिन्हें बढ़े हुए मार्जिन और विशेषताओं के साथ डिजाइन किया गया है और यह गगनयान कॉन्फिगरेशन के अनुकूल हैं। इसरो प्रमुख के अनुसार इस रॉकेट में और भी कई सुधार किए गए हैं, जिनका उद्देश्य इसे अन्य चरणों और प्रणालियों में भी मानव-रेटेड बनाना है।

वनवेब के लिए इसरो के इस सफल मिशन के बाद वर्ष 1999 से लेकर अब तक अंतरिक्ष में भारत की ओर से लांच किए गए विदेशी उपग्रहों की कुल संख्या 422 हो गई है। इसरो के भविष्य के मिशनों के बारे में इसरो प्रमुख का कहना है कि इसरो के वैज्ञानिक अप्रैल में एक ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान के व्यावसायिक प्रक्षेपण की तैयारी कर रहे हैं और जल्द ही अगले लांच अभियान के लिए तैयार हो रहे हैं। इसरो की अगले साल जून में चंद्रयान-3 मिशन को चंद्रमा पर लांच करने की योजना को भी मूर्त रूप दिया जा रहा है, जिसके तहत गगनयान मिशन में तीन सदस्यों के एक दल को तीनदिवसीय मिशन के लिए 400 किलोमीटर की कक्षा में भेजा जाएगा। इस मिशन को 2024 की चौथी तिमाही में लांच करने का लक्ष्य रखा गया है। एस सोमनाथ का कहना है कि वह गगनयान मिशन की दिशा में हो रही प्रगति को देखकर काफी प्रसन्न हैं। भारत ने अपने ही बलबूते पर लंबे समय से अंतरिक्ष में अपनी पैठ बनाने में कई स्तरों पर बेहतरीन प्रयोगों और उसमें सफलता के जरिये स्वयं को एक मजबूत केन्द्र के रूप में विश्व के समक्ष साबित किया है। भारत ने विश्व के अन्य देशों के मुकाबले विशेष रूप से विज्ञान के क्षेत्र में निरन्तर उच्चस्तरीय कार्यों के जरिये वाणिज्यिक उपग्रह प्रक्षेपण के बाजार में बेहतर और सुरक्षित विकल्प पूरी दुनिया को दिया है। यही कारण है कि वैश्विक स्तर पर अंतरिक्ष में प्रयोग करने के मामले में कई देशों और अतंरिक्ष कम्पनियों का भरोसा अब इसरो की वाणिज्यिक शाखा पर बढ़ रहा है।

बहरहाल, अंतरिक्ष की दुनिया में इसरो जिस प्रकार लगातार सफलता का परचम लहरा रहा है, उससे अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में विश्वभर में भारत का दबदबा और मान निरन्तर बढ़ रहा है। इसरो के ऐसे सफल मिशनों की बदौलत भविष्य में इसरो को आर्थिक लाभ तो होगा ही, अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में पूरी दुनिया भारतीय वैज्ञानिकों का दम भी देखेगी और इससे दुनिया के छोटे देश भी अपने अभियानों के लिए भारत की ओर आकर्षित होंगे, जो निश्चित रूप से भारत की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है। इसरो ने वनवेब के 36 उपग्रहों के साथ एलवीएम-3 की नवीनतम उड़ान से जरिये अब जो उपलब्धि हासिल की है, उससे भी अंतरिक्षीय प्रयोगों के मामले में दुनिया की नजर में भारत की अहमियत एक बार फिर से स्थापित हुई है। एक तरफ जहां अमेरिका सहित कई देशों के अंतरिक्ष मिशनों को झटके लगते रहे हैं और उनका अंतरिक्ष कार्यक्रम पिछड़ रहा है, वहीं इसरो लगातार सफलता के मार्ग पर अग्रसर है। यही कारण है कि अपने उपग्रहों के अतंरिक्ष में प्रक्षेपण के लिए दुनिया अब बड़ी उम्मीदों से इसरो का रूख कर रही है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और सामरिक मामलों के जाने-माने विश्लेषक हैं)

कानून-व्यवस्था में भरोसा कायम करने का वक्त

सुरेश सेठ

आम नागरिक यदि परेशान है तो यह सुशासन नहीं है। 'अहिंसा परमो धर्म:' व 'वसुधैव कुटुम्बकम' जैसे संदेश तो जैसे हवा होते नजर आ रहे हैं। यदि माफिया डॉन, तस्करों और आतंकवादियों का बोलबाला नजर आए तो चुनौतियों से जूझते आम आदमी की जिंदगी और भी कठिन हो जाती है। पिछले दिनों पंजाब में केन्द्र से आई बटालियनें और पंजाब पुलिस सीमांत प्रांत में राष्ट्रीयता के लिए जूझती नजर आईं। राष्ट्रीय संप्रभुता को चुनौती देती सशस्त्र कोशिश आम आदमी को परेशान करती है। लेकिन इसके बावजूद चुनौती देने वाले का बच निकलना भी चिंता की बात है। वहीं उत्तर प्रदेश में माफिया डान को सजा बताती है कि चुनाव आयोग की चिंता के बाद कैसे ये लोग जनप्रतिनिधि संस्थाओं में पहुंच जाते हैं? सवाल यह कि कैसे आरोपितों को जनप्रतिनिधि बनने से रोका जाना चाहिए। खैर, आम आदमी की इच्छा तो यही है कि राज्य में शांति स्थापित हो, देश में अहिंसा के मूल्य सामने आएं। चाहे अमृतपाल हो या अतीक अहमद, माफिया डॉनों का हाथ आम जिंदगी के ऊपर नहीं होना चाहिए। इसके बावजूद लोग प्रशासन-शासन की कार्यक्षमता में विश्वास के साथ अच्छे दिनों की आस रखते हैं। नैतिक मूल्य पुन-स्थापित होंगे। सवाल ये है कि जिन अपराधियों की जगह जेल है, वे हमारी संसद और विधानसभाओं में क्यों पहुंचते हैं? पंजाब में सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद यहां जो बंदूक कल्चर और फिरौती का माहौल दिखा है, यह माहौल खत्म होना चाहिए। माफियागीरी पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। जॉर्ज बर्नार्ड शा का यह कथन कि राजनीति बदमाशों और गुंडों का अंतिम शरणस्थल है, यह समाप्त हो। कानून व्यवस्था सुधरे ताकि शांति की स्थापना समाज में हो। फिलहाल पंजाब ने राहत की सांस ली है। इससे पहले पंजाब की शांति को भंग करने के लिए कुछ अलगाववादी उतारू थे। कट्टरता व सांप्रदायिकता के खिलाफ जिस तरीके से पंजाब के नागरिकों ने प्रतिक्रिया दी, उससे विश्वास जगा कि पंजाब में सामान्य जिंदगी चलती रहेगी। अब इस मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय आम आदमी की रोटी, कपड़े और मकान आदि की समस्या की ओर अधिक ध्यान दिया जाए। इसी संदर्भ में जहां हम प्रशासन से निष्पक्ष रूप से कार्रवाई की उम्मीद करते हैं, राजनीतिज्ञों से वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर आम आदमी को बेहतर जीवन देने के लिए प्रतिबद्धता की उम्मीद करते हैं। वहीं न्यायपालिका ने सजगता से बिलकीस बानो के मामले में गुजरात सरकार, केन्द्र व दोषियों को जो नोटिस दिया है, उसने न्यायिक व्यवस्था पर भरोसा बढ़ाया है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय से दोषियों की रिहाई की अनुमति से जुड़ी फाइल मांगी गई है। बिलकीस बानो ने याचिका में कहा था कि दोषियों की समय से पहले रिहाई उसके व परिवार के लिये घातक है। बेशक विद्रूप का माहौल एक दिन में नहीं बदलेगा लेकिन शासन की इच्छाशक्ति व जन जागरूकता से तस्वीर बदलेगी। लोग शांति से जीना चाहते हैं और माफिया, आतंकी गठजोड़ों को और बर्दाश्त करने के लिए अभी तैयार नहीं हैं। बहरहाल, सरहदी राज्यों में शासन-प्रशासन में पारदर्शिता तथा भ्रष्टाचार मुक्त शासन अपरिहार्य है। हाल ही की तो स्थिति ऐसी आदर्श नहीं है, जो वक्त की जरूरत है। आम आदमी के लिये वैसी नहीं है, जैसी कि भाषणों में उसे मिलती है। इसीलिए भाषणों, दावों और आंकड़ों की इस दुनिया से परे जाकर आम आदमी को वह जिंदगी मिलनी चाहिए जिसका वादा हमारे नीति-नियंता करते हैं। लेकिन जब तक कानून और व्यवस्था के अहलकार अभियुक्तों को जब तक सख्त दंड देने के लिये प्रतिबद्ध नहीं होते तब तक आम आदमी बार-बार मोहभंग की स्थिति में आता रहे तो इसमें हैरानी क्या? हमारे आसपास जो घट रहा है और जैसी नकारात्मक खबरें आती हैं, वे परेशान करने वाली हैं। रिश्तों की मौत हो रही है। नशे से ग्रस्त युवा पीढ़ी अपनी पत्नी, बच्चों और मां-बाप तक की हत्याएं करने से चूक नहीं रही। अपहरण और दुष्कर्म की घटनाएं व्यवस्था सुधर जाने के सभी दावों के बावजूद बार-बार घटती नजर आती हैं। ऐसी स्थिति में अगर जो अपराधी है, उसे तत्काल दंड न मिले तो आम नागरिक का भरोसा राष्ट्र व्यवस्था में बनता नहीं। अभी तो स्थिति यह है कि अपराधी गिरफ्त में आने के बावजूद अदालतों में तारीख-दर-तारीख और जांच प्रक्रिया बार-बार स्थगित होने की आड़ में बच निकलते हैं। इनकी बेशर्मी तो देखिए कि ये चुनाव प्रक्रिया में कूदकर क्रांतिकारी होने का दम भी भरते हैं। यह स्थिति बदलनी चाहिए। हमारे शासन प्रशासन का दायित्व है कि आम आदमी का भरोसा कानून-व्यवस्था में स्थापित करने की ईमानदार कोशिश करे। पिछले दिनों में घटी घटनाएं, चाहे अतीक अहमद की हों या अमृतपाल की, आम आदमी को आगाह करती हैं। आमजन चाहता है कि ये दिन अब और न रहें, इन्हें झेलना मुश्किल हो रहा है।

लेखक साहित्यकार हैं।

एक कुशल माली - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

हमारी पृथ्वी पर बहुत से जंगली पेड़-पौधे व बाग-बगीचे प्रकृति के संरक्षण में फलते-फूलते है किंतु इनकी सुंदरता कायम रखने के लिए एक बागवान अर्थात माली की जरूरत होती है। फूलों से भरे बगीचों और औषधियों से भरी वनस्पतियों, सार्वजनिक एवं घरेलू बगीचों को भी उनकी खूबसूरती को कायम रखने के लिए एक कुषल माली की प्यार भरी देखभाल की आवश्यकता होती हैं ताकि वहाँ आने वाले व्यक्तियों को एक खुशगवार व मनमोहक वातावरण मिले और वे इसका आनंद उठा सकें।

ठीक इसी प्रकार अगर हम सदा-सदा के आनंद को पाना चाहते हैं तो हमें अपने शरीर के अलावा अपनी आत्मा को भी हरा-भरा रखना होगा। अपनी आत्मा के संरक्षण व देखभाल के लिए हमें एक कुशल माली अर्थात सत्गुरु की आवश्यकता होती है क्योंकि हमारी आत्मा युगों-युगों से पिता-परमेश्वर से बिछड़ने के कारण मुरझा गई है।

हमारी आत्मा के सत्गुरु रूपी माली जिन्हें हम संत-महापुरुष कहते हैं, वे हमें समझाते हैं कि हम अपनी आत्मा रूपी बीज को कैसे एक भव्य और खूबसूरत फूल के रूप में खिला सकते हैं, जैसा कि प्रभु चाहते हैं। इसके लिए वे हमें सद्गुणों को अपनी ज़िंदगी में ढालने की प्रेरणा देते हैं ताकि हमारी आध्यात्मिक उन्नति की ज़मीन तैयार हो और हमारे अंदर प्रेम, करूणा व दयाभाव के फूल खिलें जिससे कि इनकी खुशबू से औरों का जीवन भी महक उठे।

माली रूपी ऐसे संत-महापुरुष हमारी आत्मा को प्रभु के पास वापिस ले जाने का रास्ता सिखाने के लिए हमेशा आते रहे हैं। वे स्वयं प्रभु से एकमेक होते हैं और हमें ध्यान-अभ्यास के द्वारा प्रभु से जुड़ने का रास्ता सिखाते हैं जिसके द्वारा हम भी वही अनुभव प्राप्त कर सकें जिससे कि हमारी आत्मा सदा-सदा के लिए हरी-भरी हो जाए और उसमें कभी कोई पतझड़ न आए। केवल एक सत्गुरु रूपी माली ही हमारी आत्मा को अपनी दयामेहर से उसकी सुंदरता को बरकरार रखता है ताकि हम अपने अंदर प्रभु-प्रेम का अनुभव करें और अपनी आत्मा को परमात्मा में लीन कराने के वास्तविक उद्देश्य को इसी जीवन में पूरा कर सके।

बढ़ रही है इमेज कंसल्टैंट सेवाओं की मांग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टीच्यूट भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।''उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

कॉस्मेटिक समस्याओं का निदान करते हैं डर्मेटोलॉजिस्ट

मेडिसिन में स्पेशलाइजेशन के लिए उपलब्ध विकल्पों में 'डर्मेटोलॉजी' काफी लोकप्रिय हो गया है। मौजूदा वक्त में 'फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इम्प्रेशन' कहावत को इतनी गंभीरता से लिया जा रहा है कि व्यक्ति के रूप को व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण अंग माना जाने लगा है। इस कारण लोगों में अपने रूप और व्यक्तित्व को लेकर चिंता का स्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। यहां तक कि कॉलेज जाने वाले छात्र भी खुद को आकर्षक दिखाने की गरज से काफी रुपये खर्च कर रहे हैं। अपने रूप को लेकर लोगों में गंभीरता का स्तर इस कदर बढ़ गया है कि वह चेहरे पर छोटा-सा मुंहासा हो जाने भर से परेशान हो उठते हैं। कई बार वह ऐसी परेशानियों को इस कदर अपने ऊपर हावी कर लेते हैं कि घर से बाहर निकलना भी छोड़ देते हैं। ऐसे माहौल में रूप निखारने का दावा करने वाली फेयरनेस क्रीमों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। खुजली और घमौरियों (रैशेज) जैसे त्वचा संबंधी रोग आम हो चुके हैं। गर्मी और बरसात के मौसम में इनकी अधिकता काफी बढ़ जाती है। इनके सही उपचार के लिए डॉक्टर का परामर्श जरूरी होता है। कई बार उपचार के लिए डॉक्टर के पास कुछ दिनों या हफ्तों के अंतराल पर बार-बार जाने की जरूरत होती है। ऐसे में लोग अपनी त्वचा के लिए ज्यादा खर्च करने में जरा भी नहीं हिचकते। त्वचा और रूप के प्रति लोगों के बढ़ती सजगता के कारण डर्मेटोलॉजिस्ट की मांग में इजाफा हो रहा है। डर्मेटोलॉजी मेडिसिन की एक शाखा है, जिसमें त्वचा और उससे संबंधित रोगों के निदान का अध्ययन किया जाता है। यह एक स्पेशलाइज्ड विषय है, जिसकी पढ़ाई एमबीबीएस के बाद होती है। डर्मेटोलॉजिस्ट रोगों के उपचार के अलावा त्वचा, बाल और नाखूनों से संबंधित कॉस्मेटिक समस्याओं का भी निदान करते हैं।

डर्मेटोलॉजिस्ट का काम

इनका मुख्य कार्य लोगों की उन बीमारियों का उपचार करना होता है, जो त्वचा, बाल, नाखूनों और मुंह पर दुष्प्रभाव डालती हैं। एलर्जी से प्रभावित त्वचा, त्वचा संबंधी दागों, सूर्य की रोशनी में झुलसे या अन्य तरह के विकारों से ग्रसित त्वचा को पूर्व अवस्था में लाने में ये रोगियों की मदद करते हैं। इसके लिए वह दवाओं या सर्जरी का इस्तेमाल करते हैं। त्वचा कैंसर और उसी तरह की बीमारियों से जूझ रहे रोगियों के उपचार में भी वह सहयोग करते हैं। क्लिनिक या अस्पताल में वह सबसे पहले मरीजों के रोग प्रभावित अंग का निरीक्षण करते हैं। जरूरी होने पर वह रोग की गंभीरता जांचने के लिए संबंधित अंग से रक्त, त्वचा या टिश्यू का नमूना भी लेते हैं। इन नमूनों के रासायनिक और जैविक परीक्षणों से वह पता लगाते हैं कि रोग की वजह क्या है। रोग का पता लगने के बाद उपचार शुरू कर देते हैं। इस कार्य में वह दवाओं, सर्जरी, सुपरफिशियल रेडियोथेरेपी या अन्य उपलब्ध उपचार विधियों का उपयोग करते हैं।

करते हैं कॉस्मेटिक सर्जरी

चेहरे और अन्य अंगों को आकर्षक बनाने के लिए डर्मेटोलॉजिस्ट कॉस्टमेटिक सर्जरी भी करते हैं। त्वचा की झुर्रियों और दाग-धब्बों को खत्म करने के लिए वह डर्माब्रेशन जैसी तकनीक और बोटोक्स इंजेक्शन का इस्तेमाल करते हैं। इन तकनीकों के अलावा वह लेजर थेरेपी का भी उपचार में उपयोग करते हैं। इस तकनीक की मदद से वह झुर्रियों और त्वचा पर होने वाले सफेद दाग का ईलाज करते हैं।

योग्यता - फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के साथ बारहवीं पास करके एमबीबीएस डिग्री प्राप्त करना डर्मेटोलॉजिस्ट बनने की पहली शर्त है। इसके बाद डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी और लेप्रोलॉजी में तीन वर्षीय एमडी या दो वर्षीय डिप्लोमा की पढ़ाई की जा सकती है।

करियर को दिशा देती है सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग

सॉफ्ट स्किल की क्षमता आपके करियर को नई दिशा देती है. अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग तकनीकी रूप से बड़े प्रतिभावान होते हैं. साथ ही, वे अपने क्षेत्र में निपुण भी होते हैं किंतु एक निश्चित बिंदु पर उनके करियर में ठहराव-सा आ जाता है. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि उनमें नेतृत्व क्षमता, समूह में काम करना, सामाजिक सम्प्रेषण और संबंध निर्माण आदि कौशल का अभाव होता है. सॉफ्ट स्किल व्यापक क्षेत्र है, जिसमें सम्प्रेषण कौशल, श्रवण कौशल, टीम कौशल, नेतृत्व के गुण, सृजनात्मकता और तर्कसंगत, समस्या निवारण, कौशल और परिवर्तनशीलता आदि सम्मिलित हैं. सॉफ्ट स्किल के गुण किताबों से नहीं सीखे जाते, बल्कि इसके लिए प्रशिक्षण कारगर होते हैं. यदि आप सही अर्थों में अपने व्यक्तित्व में सॉफ्ट स्किल्स जोड़ना चाहते हैं तो आपको एक अच्छा, मेहनती और सीखने वाला बनकर उन सब बातों को, जो कुछ भी आपने व्यावहारिक रूप से ग्रहण किया है, व्यवहार में लाना होगा. कुछ ऐसे सॉफ्ट स्किल्स भी हैं जो आपकी रोजगार की संभावनाओं और व्यक्तित्व में सुधार कर स्थायी और अच्छी सैलरी पर नौकरी प्राप्त करने में सहयोग करता है.

प्रभावी सम्प्रेषण

कौशल प्रभावी सम्प्रेषण कौशल में सार्वजनिक भाषणों, प्रस्तुतीकरण, बातचीत, संघर्ष समाधान ज्ञानिवतरण आदि के लिए मौखिक कौशल, अनुदेश मैनुअल तैयार करना, ज्ञापन, सूचनाएं लिखना, कार्यालयीन पत्र व्यवहार आदि के लिए लेखन कौशल शामिल हैं. इनमें मौखिक और गैर-मौखिक, दोनों ही शामिल है. चूंकि हमारा सम्प्रेषण का आधिकारिक माध्यम अंग्रेजी है, इसलिए इसमें कुछ हद तक अंग्रेजी में दक्षता होनी जरूरी है.

सामूहिक कार्य

कौशल अंतर्वैयक्तिक और सामूहिक कार्य कौशल उच्चतर उत्पादकता तथा बेहतर वातावरण के लिए योगदान करते हैं क्योंकि इनसे व्यक्ति संयुक्त लक्ष्य हासिल करने हेतु मिलकर कार्य करते हैं. यह सम्प्रेषण टीम सदस्यों के बीच एक गतिशील पारस्परिक क्रिया की स्थापना, फीडबैक का आमंत्रण, उसे प्रदान करना तथा संघर्ष की स्थिति को हल करना अपेक्षित होता है.

ज्ञानात्मक कौशल

अपने रोजमर्रा के जीवन में अक्सर आपको ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है जब आप सही फैसले करने में असमर्थ होते हैं. आपके सामने ऐसी स्थितियां उत्पन्न होने की ज्यादा संभावनाएं उस वक्त होती हैं जब आप किसी संगठन में कार्य करते हैं. ऐसी दबावपूर्ण स्थितियों का मुकाबला करने के लिए आपको कुछेक ऐसे कौशल विकसित करने की आवश्यकता है जो आपको निर्णय लेने, सृजनात्मक एवं अन्वेषणात्मक समाधान विकसित करने, व्यावहारिक हल ढूंढने, समस्याओं का स्वतंत्र रूप से पता लगाने, उनको हल करने और विभिन्न क्षेत्रों में समस्याओं के निदान में कार्य नीतियां लागू करने में मददगार हो सकते हैं.

नौकरियां

आजकल ज्यादातर संगठन अपने कर्मचारियों में उनके सकारात्मक, सम्प्रेषण, अंतर्वैयक्तिक और टीम कौशल, समस्या निदान, अनुकूलनशीलता और कार्य पद्धति में सुधार हेतु प्रशिक्षण प्रदान करते हैं. इससे एक तरफ जहां उनके व्यवसाय और व्यक्तिगत जीवन पर बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, वहीं दूसरी तरफ संगठन की उत्पादकता में भी वृद्धि होती है. अतः सॉफ्ट स्किल में पाठ्यक्रम पूरा करने के उपरांत कोई व्यक्ति किसी निजी या सार्वजनिक संगठन में सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकता है. इसके अलावा, आप अपना स्वयं का ट्रेनिंग सेंटर भी खोल सकते हैं.

लोगों में प्रतिभा तो होती है परंतु उसे समझने और निखारने की आवश्यकता होती है. उन्हें प्रशिक्षण मुहैया कराने के लिए कई संस्थानों में संबंधित कोर्स संचालित किए जा रहे हैं.

व्यक्तित्व संबंधी गुण

समय के साथ-साथ अब फोकस एक सामान्य व्यक्ति से सुशिक्षित और परिष्कृत व्यक्तित्व की ओर हो गया है. विभिन्न संगठनों, खासकर कंपनियों को ऐसे व्यक्तियों की तलाश रहती है जो कुशाग्र और सुशिक्षित होते हैं. उनमें ऐसे सम्प्रेषण कौशल होने चाहिए कि वे सबसे आगे रहें. इसके लिए वे अपने कर्मचारियों को भर्ती के उपरांत प्रशिक्षण प्रदान करते हैं लेकिन वे उन व्यक्तियों को वरीयता देते हैं जो पहले से अपने क्षेत्र में बेहतर होते हैं. चूंकि ज्यादातर लोग प्रतिभाओं के साथ जन्म लेते हैं, परंतु उन्हें परिष्कृत और शिक्षित करने की आवश्यकता होती है. उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बाजार में बहुत से संस्थान संचालित किए जा रहे हैं. ये संस्थान काफी धन अर्जन कर रहे हैं और इस तरह सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षकों को आकर्षक रोजगार का विकल्प प्रदान कर रहे हैं.

वेतन

इस सेक्टर में काफी अच्छा वेतन है. चूंकि यह कल्चर प्राइवेट कंपनियों और वैश्वीकरण के कारण तेजी फला-फूला है, इसलिए इसकी ग्रोथ भी ज्यादा है.

योग्यताएं

पहले इस फील्ड में पाठ्यक्रम नहीं चलाए जाते थे लेकिन अब सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षकों के लिए शिक्षण कार्य भी एक अच्छे विकल्प के रूप में उभरकर सामने आया है क्योंकि सभी इंजीनियरिंग और प्रबंध संस्थानों में तकनीकी कौशल एक अनिवार्य विषय के रूप में शामिल होता है. वहां पर छात्रों को साक्षात्कार और समूह चर्चा में बेहतर प्रदर्शन के लिए अपेक्षित अन्य वैयक्तिक कौशलों के साथ-साथ प्लेसमेंट और सम्प्रेषण कौशलों के लिए प्रशिक्षित और तैयार किया जाता है.

करियर उन्मुखी होते हैं पत्राचार पाठ्यक्रम

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है। देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उतीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं। अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

पहली बार में क्रैक करना है आईआईटी जेईई तो अपनाएं ये आसान टिप्स

अगर आप आईआईटी एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं, तो कुछ जरूरी टिप्स को अपनाना बिल्कुल न भूलें। इनकी मदद से आप पहली बार में एग्जाम क्लियर कर पाएंगे

जेईई मेन्स जेईई मेन्स की परीक्षा में अच्छे पर्सेंटाइल लाने वाले कैंडिडेट्स जेईई एडवांस्ड की तैयारी में जुट चुके हैं। साल भर की मेहनत तो बेहतर रिजल्ट का कारण है ही साथ ही परीक्षा से पहले अंतिम दिनों की मेहनत भी अत्यधिक मायने रखती है। आज हम आपको यहां बता रहे हैं जेईई मेन्स परीक्षा को क्रैक करने और एडमिशन पाने की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए जरूरी टिप्स।

ऐसे करें एग्जाम की तैयारी

- अपनी सिली मिस्टेक्स पर काम करने का प्रयास करें क्योंकि इससे आपके ओवरऑल स्कोर में सुधार होगा।
- मॉक टेस्ट लेने और पिछले वर्ष के प्रश्नों को ऑनलाइन हल करने से आपको विभिन्न प्वाइंट्स को एनलाइज करने में मदद मिलेगी।
- सब्जेक्ट वाइज फॉर्मूला शीटतैयार करें, ऐसा करके आप फॉर्मूले को रिवाइज करने करने के लिए हर समय अपने साथ रख सकते हैं।
- एक डेली टाइम टेबल तैयार करें और मुख्य रूप से रिवीजन और ऑनलाइन टेस्ट पर ध्यान केंद्रित करें क्योंकि ये टेस्ट आपके स्कोर को 40-50% तक सुधारने में मदद करते हैं।
- स्टडी के दौरान छोटे ब्रेक लें या संगीत सुनें क्योंकि यह कंसंट्रेशन पावर को बढ़ाता है।
- सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि परीक्षा नजदीक आने पर खुद को स्वस्थ और फिट रखें।

जेईई एडवांस्ड फिजिक्स को क्रैक करने के टिप्स

- **फॉर्मूले अच्छी तरह से सीखें :** जैसे ही आप फिजिक्स का रिवीजन करते हैं, सभी फॉर्मूले को नोट कर लें और उन्हें अच्छी तरह से याद रखें।
- **स्कोरिंग टॉपिक पर कंसंट्रेट करें :** एक बार आपके बेसिक चैपर को रिविजन करने के बाद, मॉर्डन फिजिक्स, वेव ऑप्टिक्स, अल्टरनेटिंग करंट, साउंड वेव्स जैसे स्कोरिंग टॉपिक्स पर ध्यान केंद्रित करें। थर्मोडायनामिक्स पर अतिरिक्त ध्यान दें क्योंकि यह फिजिक्स और केमेस्ट्री के लिए सामान्य है।
- **डेलिगेट प्रैक्टिस :** जेईई एडवांस पिछले वर्ष के क्वेश्चन पेपर को सॉल्व करना आवश्यक है। इन्हें सॉल्व समय फोकस्ड और कॉन्फिडेंट रहें।

जेईई एडवांस्ड केमिस्ट्री क्रैक करने के टिप्स

- **अपनी प्रिपरेशन को सिस्टमेटिक रूप से तैयार करें :** फिजिक्स और इनऑर्गेनिक केमेस्ट्री से फंडामेंटल कॉन्सेप्ट को रिवाइज करना शुरू करें। अपने समय का एक बड़ा हिस्सा ऑर्गेनिक केमेस्ट्री की तैयारी में दे। लास्ट 5 दिनों के लिए क्वालिटेटिव एनालिसिस छोड़ दें क्योंकि इसमें मुख्य रूप से याद रखने की आवश्यकता होती है।
- ऑर्गेनिक केमिस्ट्री में शामिल मैकनिज्म पहली बार में जटिल लग सकता है। कठिन टॉपिक के लिए ज्यादा गहराई में न जाएं क्योंकि अंतिम दिनों में समय की कमी होती है। ऑर्गेनिक केमिस्ट्री के लिए छोटे नोट्स बनाने की जरूरत होती है।
- **रिएक्शन की प्रैक्टिस करें :** सबसे महत्वपूर्ण टॉपिक्स, इक्वेशन, मैकनिज्म और रिलेटेड प्रॉब्लमस का रेगुलर प्रैक्टिस करें।
- **रेगुलर रिवीजन :** केमिस्ट्री कई छात्रों को कंफ्यूज करने वाली लगती है। बेहतर रिटेंशन के लिए केमिस्ट्री का रेगुलर रिवीजन जरूरी है।

जेईई एडवांस मैथ्स को क्रैक करने के टिप्स

- **कॉन्सेप्चुअल क्लियरिटी :** पहले सभी चैप्टर्स के बेसिक कॉन्सेप्ट को रिवाइज करें। मैथ्स फॉर्मूला से भरा है। उन्हें अच्छी तरह से करने के लिए, फार्मूला के विभिन्न एप्लीकेशन की प्रैक्टिस करें।
- **मॉक टेस्ट दें :** फुल लेंथ वाले जेईई एडवांस मॉक टेस्ट देने से आपकी स्पीड और एक्यूरेसी में सुधार करने में मदद मिलती है।
- **प्रैक्टिस क्वेश्चन को सॉल्व करें :** प्रत्येक चैप्टर को रिवाइज करने के बाद जेईई एडवांस लेवल के प्रैक्टिस क्वेश्चन को सॉल्व करना आवश्यक है।
- **पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को सॉल्व करें :** जब आप जेईई एडवांस मैथ्स की तैयारी कर रहे हों तो जेईई एडवांस्ड पिछले साल के टेस्ट से प्रैक्टिस करना जरूरी है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट में 2023-24 के लिए भारत की जीडीपी दर 6.3 प्रतिशत आंका गया

नई दिल्ली । विश्व बैंक की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत की जीडीपी 2023-24 में 6.3 प्रतिशत तक नीचे आने की संभावना है। वर्ल्ड बैंक ने इससे पहले 6.6 प्रतिशत का अनुमान लगाया था। मुख्य रूप से ऋण की ऊंची कीमत के चलते खपत में गिरावट आई है। पिछले साल मई से भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई पर काबू पाने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर रहा है। अपने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट में, विश्व बैंक ने कहा कि खरीदने की कम क्षमता के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण बाहरी कारकों के कारण आर्थिक विकास प्रभावित होने की संभावना है। ऋण की बढ़ती लागत और धीमी आय वृद्धि निजी उपभोग वृद्धि पर असर डालेगी और महामारी से संबंधित राजकोषीय समर्थन उपायों को वापस लेने के कारण सरकारी खपत धीमी गति से बढ़ने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार भारत का चालू खाता घाटा भी 2023-24 में घटकर 2.1 प्रतिशत रहने की संभावना है, जबकि 2022-23 में यह 3 प्रतिशत था। मुद्रास्फीति पर विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह चालू वित्त वर्ष में 5.2 प्रतिशत तक कम होने की संभावना है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 6.6 प्रतिशत थी।

कच्चा तेल महंगा, पेट्रोल और डीजल की कीमत में बदलाव

- ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 84.96 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच मंगलवार सुबह कई शहरों में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। वै श्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड 85 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। इसका असर सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर दिख रहा है। यूपी, हरियाणा सहित कई राज्यों में तेल के दाम बदल गए हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) में पेट्रोल 23 पैसे सस्ते ता होकर 96.77 रुपए लीटर हो गया, जबकि डीजल 20 पैसे गिरकर 89.94 रुपये लीटर बिक रहा है। यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 10 पैसे महंगा हुआ और 96.57 रुपए लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 10 पैसे चढ़कर 89.76 रुपए लीटर बिक रहा है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 21 पैसे महंगा हुआ और 97.10 रुपए लीटर बिक रहा है, जबकि डीजल 19 पैसे चढ़कर 89.96 रुपए लीटर पहुंच गया है। कच्चे तेल की कीमतों में और तेजी आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 84.96 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी वै श्विक बाजार में चढ़कर 80.53 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 97.10 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। नोएडा में पेट्रोल 96.77 रुपए और डीजल 89.94 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

आरबीआई गवर्नर 6 अप्रैल को समिति के फैसले की घोषणा करेंगे

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ब्याज दर तय करने वाली मौद्रिक नीति समिति की तीन दिन की बैठक आज सोमवार को शुरू हुई जो लगातार तीन दिन चलेगी। ऐसा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक में प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की और वृद्धि का फैसला कर सकती है। विश्लेषकों का मानना है कि इसके साथ ही मई, 2022 से शुरू हुआ ब्याज दरों में बढ़ोतरी का सिलसिला थम जाएगा। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता मौद्रिक नीति समिति की तीन दिन की बैठक 3-6 अप्रैल के दौरान विभिन्न घरेलू और वैश्विक कारकों पर विचार किया जाएगा। इसके बाद वित्त वर्ष 2023-24 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा की जाएगी. आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास गुरुवार को छह सदस्यों वाली समिति के फैसले की घोषणा करेंगे। एमपीसी में आरबीआई के तीन अधिकारी और केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त तीन बाहरी सदस्य होते हैं। इस बैठक में एमपीसी खुदरा मुद्रास्फीति में वृद्धि और विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा हाल में की गई कार्रवाई पर खासतौर से विचार करेगी। केंद्रीय बैंक महंगाई को काबू में करने के लिए मई, 2022 से रेपो दर में 2.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर चुका है। इसके बावजूद मुद्रास्फीति ज्यादातर समय रिजर्व बैंक के छह प्रतिशत के संतोषजनक स्तर से ऊपर बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्रीय बैंक गुरुवार को रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि करेगा और शायद इसके साथ ही ब्याज दर में बढ़ोतरी का सिलसिला थम जाएगा।

बीते वित्त वर्ष में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 17.63 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई । बीते वित्त वर्ष 2022-23 में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह संशोधित बजट अनुमान से अधिक (6.61 लाख करोड़ रुपए) रहा है। यह 2021-22 की तुलना में 17.63 प्रतिशत अधिक है। वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कर संग्रह के अस्थायी आंकड़े जारी करते हुए कहा कि हाल ही में समाप्त वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष कर संग्रह 16.61 लाख करोड़ रुपए रहा है, जबकि इसका बजट अनुमान 14.20 लाख करोड़ रुपए था। बजट अनुमान के बाद में संशोधित कर 16.50 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया था। इस तरह शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह संशोधित अनुमान से 0.69 प्रतिशत अधिक रहा। वित्त वर्ष 2021-22 की तुलना में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 17.63 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल पहले यह 14.12 लाख करोड़ रुपए था। वित्त मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में सकल कॉरपोरेट कर संग्रह एक साल पहले की तुलना में 16.91 प्रतिशत बढ़कर 10.04 लाख करोड़ रुपए हो गया। समाप्त वित्त वर्ष में सकल व्यक्तिगत आयकर संग्रह (एसटीटी समेत) 9.60 लाख करोड़ रुपए रहा। इस तरह इसमें वित्त वर्ष 2021-22 के 7.73 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 24.23 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है।

आयकर विभाग की नजर 89 कंपनियों पर

- ब्लैकमनी के खेल में 100 करोड़ की चोरी का है मामला

नई दिल्ली । आयकर विभाग की नजर इस समय टैक्स चोरों पर लगी हुई है। हाल ही में आयकर विभाग को टैक्स चोरी का पता चला है. जिसमें 89 कंपनियां आईटी विभाग की रडार पर हैं। इसमें 100 करोड़ की ब्लैक मनी का मामला सामने आ रहा है। जानकारी मिलने के बाद से आयकर विभकि स क्रिय हो गया है और इन टैक्स चोरों पर लगाम लगाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। बता दें कि आयकर विभाग के मुताबिक 100 करोड़ रुपए से ज्यादा के हेर-फेर मामूली लेन-देन के जरिए किए गए हैं। खास बात ये है कि ये सभी ट्रांजक्शन विदेश से किए गए हैं। आयकर विभाग को 2019-20 और 2020-21 के दौरान होने ये ट्रांजेक्शन होने का शक है। रिपोर्ट के मुताबिक आयकर विभाग ने इस मामले से जुड़े सभी लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। उनसे पूछा जा रहा है कि ये लेन-देन क्यों और किस वजह से हुए हैं। इन ट्रांजेक्शन की सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि ये सभी लेन-देन 100 करोड़ रुपए से ज्यादा के हैं और इनमें आयकर विभाग का शक जताया जा रहा है और तीसरी शक पैदा करने वाली बात ये है कि ये सभी ट्रांजेक्शन विदेश से किए गए हैं. जिस पर संबंधित लोग अब तक उचित ब्यौरा नहीं दे पाए हैं। उचित ब्यौरा न दे पाने के कारण उन्हें कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

एसबीआई लाइफ ने राजस्थान रॉयल्स के साथ की साझेदारी

धर्मशाला ।

देश के सबसे भरोसेमंद निजी जीवन बीमाकर्ताओं में से एक एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने सबसे बड़ी क्रिकेट लीग के 2023 सीजन के लिए राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी के साथ अपने लीड हेलमेट पार्टनर के रूप में साझेदारी की घोषणा की है।साझेदारी के हिस्से के रूप में एसबीआई लाइफ के लोगो को 2023 में सभी मैचों के दौरान राजस्थान रॉयल्स के हेलमेट पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा।राजस्थान रॉयल्स फ्रैंचाइजी के साथ एसबीआई लाइफ का यह महत्वपूर्ण गठजोड़ प्लेग्राउंड पर हेलमेट द्वारा निभाई गई सुरक्षा की भूमिका को दर्शाता है जो जीवन में बीमा के समान है दोनों अनिवार्य रूप से व्यक्तियों को अपने सपनों को साकार करने के लिए संबल के रूप में कार्य करते हैं।हेलमेट क्रिकेट में सबसे अधिक दिखाई देने वाले एसेट में से एक है।इस तरह हेलमेट पर लगा एसबीआई लाइफ का लोगो प्रतीकात्मक रूप से जीवन में बीमा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है।सबसे ज्यादा देखे जाने वाले क्रिकेट लीग में से एक में शामिल होना ब्रांड के लिए आज के उपभोक्ता के साथ एक मजबूत बंधन स्थापित करने और बीमा की आवश्यकता पर प्रभाव डालने के लिए शुभ संकेत देता है।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के ब्रांड कॉपरिट कम्युनिकेशन और सीएसआर के प्रमुख रवींद्र शर्मा ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा हमारे जैसे क्रिकेट के दीवाने देश में एसबीआई लाइफ सबसे बड़ी क्रिकेट लीग में दिल से रॉयल एंट्री कर रहा है।हम एक रक्षक के रूप में लोगों को यह बताते हैं कि उनके जीवन में बीमा की आवश्यकता क्यों महत्वपूर्ण है। साथ ही हम प्रतीकात्मक रूप से हेलमेट के जरिये यह संदेश देना चाहते हैं कि जिस तरह हेलमेट किसी खिलाड़ी की सुरक्षा करता है और उसे मुश्किलों को लेकर चिंता किए बिना खेलने में सक्षम बनाता है उसी तरह एसबीआई लाइफ भी लोगों के जीवन में आने वाले उतार.चढ़ाव को लेकर उन्हें सुरक्षा प्रदान करता है।एसबीआई लाइफ में हम ऐसे बीमा समाधान के माध्यम से समाज को बदलने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं जो लोगों को अपनी जरूरतों और आकांक्षाओं को हासिल करके अपने सपने को पूरा करने में मदद करते हैं। एसबीआई लाइफ के जीवन बीमा उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला को दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा,बचत और निवेश के अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जिससे ग्राहक आत्मविश्वास और मन की शांति के साथ अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं।

कैपिटल फूड्स को खरीदने आईटीसी और नेस्ले जैसी कंपनियों में मची होड़

नई दिल्ली ।

चिंग्स सीक्रेट और स्मिथ एंड जोन्स ब्रांड्स के तहत कॉन्डीमेंट्स फूड प्रॉडक्ट्स बनाने वाली कंपनी कैपिटल फूड्स बिकने जा रही है। इस कंपनी को खरीदने के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियों में होड़ मची है। टाटा, नेस्ले, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, क्रॉफ्ट हाइंज, आईटीसी, ओरक्ला और निसिन फूड्स जैसी बड़ी कंपनियों में होड़ मच गई है। एक मीडिया खबर के मुताबिक कैपिटल फूड्स को खरीदने के लिए बड़ी कंपनियों में जबरदस्त होड़ मची है। कैपिटल फूड्स के तीन शेयरहोल्डर्स यूरोपियन फैमिली ऑफिस एंड इनवेस्टमेंट इनवस, अमेरिकी प्राइवेट इक्विटी ग्रुप जनरल एटलांटिक और कंपनी के चेयरमैन अजय गुप्ता की हिस्सेदारी है। तीनों की हिस्सेदारी क्रमशः 40, 35 और 25 फीसदी है। कैपिटल फूड्स को खरीदने के लिए दुनिया की बड़ी कंपनियां आमने-सामने हैं। नेस्ले, टाटा समूह, आईसीटी, एचयूएल, जापान की बड़ी नूडल्स कंपनी निसिन, नार्वे की कंपनी ओरक्ला और दुनिया की बड़ी फूड और बवरेजेज कंपनी हाइड के बीच सीधी टक्कर हो रही है। कंपनी चिंग्स सीक्रेट इंस्टेंट चाइनीज नूडल्स, सूप, मसालें, पेस्ट, फ्रोजन प्रोडक्ट, फूड पेस्ट, सॉस जैसे प्रोडक्ट्स बेचती है। कैपिटल फूड्स जो आपको घर पर चाइनीज फूड बनाने के लिए सीक्रेट मसाले और सॉस उपलब्ध करवाती है, उसके लिए दिग्गज कंपनियों में भिड़त होने वाली है। माना जा रहा है कि मई 2023 में नॉन बिड्स शुरू हो सकती है। इस कंपनी की शुरुआत साल 1995 में अजय गुप्ता ने की थी। कुछ ही वक्त में कंपनी ने मार्केट में अपनी पैठ बना ली। अजय ने देसी चाइनीज सेगमेंट और इटैलियन फूड्स सेगमेंट की शुरुआत की थी। फिर अचानक से बीते साल कंपनी को बेचने की खबर आई। सबसे पहले 14 नवंबर को सबसे पहले ये खबर सामने आई की कंपनी बिकने जा रही है।

जिसके बाद कई राउंड्स की बैठक हुई। कई कंपनियों के साथ शुरुआती दौर की बैठक हो चुकी है। अब टाटा समेत दुनियाभर की बड़ी कंपनियों के बीच इसे खरीदने के लिए कंप्टीशन शुरु हो गया है।

चालू वित्त वर्ष में देश की वास्तविक जीडीपी विकास दर 6.3 फीसदी रहेगी: वर्ल्ड बैंक

नई दिल्ली ।

वर्ल्ड बैंक ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर मंगलवार को अपनी एक रिपोर्ट सार्वजनिक की। वर्ल्ड बैंक का कहना है कि भारत में महंगाई बढ़ी है लेकिन खाने-पीने के सामान और ईंधन के दामों को काबू में रखने की वजह से ज्यादा असर नहीं है। महामारी के बाद एक बार फिर बाजार में सुधार हो गया है लेकिन विनिर्माण और निर्माण कार्य वाले क्षेत्रों में गई नौकरियों में महामारी पूर्व का स्तर अभी तक नहीं आ पाया है। वर्ल्ड बैंक का कहना है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में वास्तविक जीडीपी विकास दर 6.3 प्रतिशत होगी। महंगाई दर के गिरने की उम्मीद है। बता दें कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। इस दौरान कुछ रिस्क दिखाई जान पड़ रहे हैं। माना जा रहा है कि अमेरिका और यूरोप के वित्तीय क्षेत्र में आए भूचाल का असर भारत पर भी पड़ेगा। वर्ल्ड बैंक ने आज भारत से संबंधित इंडिया डेवेलेपमेंट अपडेट रिपोर्ट साझा की है। रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि भारत का विकास कुछ लचीला बना रहेगा, हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था में महामारी के बाद सुधार के कई कारक दिखाई पड़ते हैं। वहीं वैश्विक स्तर पर कई चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं लेकिन भारत तेजी से विकास करती अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बनाए हुए हैं।

एलन मस्क ने ट्विटर का लोगो बदला

वाशिंगटन ।

जब से ट्विटर को एलन मस्क ने खरीदा है तब से ही इस सोशल प्लेटफॉर्म पर कुछ हैरान परेशान करने वाले बदलाव हुए हैं। ताजा मामला भी कुछ ऐसा ही है। जानकारी के मुताबिक आधी को एलन मस्क ने ट्विटर के लोगो को बदल दिया है। अब तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का लोगो ब्लू बर्ड (चिड़िया) होती थी। इसे बदल कर डॉज कर दिया गया है। कंपनी ने सोमवार की रात को अपने लोगो में यह बदलाव किया है। एलन मस्क अक्टूबर 2022 में 44 बिलियन डॉलर की डील के साथ ट्विटर के मालिक बने थे। इसके बाद कंपनी में कई बदलाव किए गए हैं। हाल-फिलहाल में यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पेड ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन को लेकर चर्चा में था और अब लोगो बदले जाने का मामला सामने आया है। इस अचानक हुए बदलाव से ट्विटर यूजर्स हैरान हैं। कुछ यूजर्स को यह डॉगक्वाइन का लोगो लग रहा है। बता दें कि डॉगक्वाइन एक क्रिप्टोकरेंसी है और ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क इसके पक्षधर रहे हैं। वहीं कई यूजर्स का ये भी कहना है कि ट्विटर का नया लोगो काफी हद तक एलन मस्क के पेट डॉग की तरह है। इसके अलावा कुछेक साइबर अटैक की आशंका जाहिर कर रहे हैं। ट्विटर द्वारा अपनी वेबसाइट और मोबाइल ब्राउजर पर लोगो को बदलने के बाद लोकप्रिय क्रिप्टो डॉगकॉइन की कीमत महज कुछ ही घंटों में 20 फीसदी फैल गई। डॉगकॉइन को मेमेकॉइन भी कहा जाता है। एलन मस्क लंबे समय से डॉगकॉइन का प्रचार कर रहे हैं। उनके ट्वीटर ने इस अतिक्रमण की कीमत को काफी प्रभावित किया है। फरवरी में एलन मस्क ने ट्वीट किया था।

अब कच्चे तेल पर नहीं लगेगा विंडफॉल टैक्स, डीजल पर भी टैक्स में कटौती

नई दिल्ली ।

अब कच्चे तेल पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स को केंद्र सरकार ने समाप्त कर दिया है। इस बारे में सरकार की ओर से एक नोटिफिकेशन जारी कर` दिया गया है। बताया गया कि इसे मंगलवार 4 अप्रैल से लागू भी कर दिया गया है। इसके पहले कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 3,500 रुपए (42.56 डॉलर) प्रति टन रखा गया था। इसके साथ ही डीजल पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स 1 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 0.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। फिलहाल, पेट्रोलियम और एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर कोई भी विंडफॉल टैक्स नहीं लगाया गया है। जुलाई 2022 में पहली बार कच्चे तेल पर 23,250 रुपए प्रति टन का विंडफॉल टैक्स लगाया गया था। 21 मार्च 2023 को सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को घटाकर 3,500 रुपए प्रति टन कर दिया था। सरकारी की ओर से यह फैसला एक ऐसे समय पर आया है, जब दो दिन पहले ही ओपेक प्लस समूह के देशों ने कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती करने का फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने पहली बार 1 जुलाई 2022 को विंडफॉल प्रॉफिट टैक्स लगाया था। इसके साथ ही भारत उन देशों में शामिल हो गया जो एनर्जी कंपनियों के सुपर नॉर्मल प्रॉफिट पर टैक्स लगाते हैं। केंद्र सरकार विंडफॉल प्रॉफिट टैक्स की हर पखवाड़े में समीक्षा करती है।

अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमत के आधार पर इसकी दरों को मॉडरेट किया जाता है। सरकार 75 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा मिलने वाली किसी भी कीमत पर तेल उत्पादकों पर अप्रत्याशित मुनाफे पर टैक्स लगाती है।

वॉलमार्ट 2000 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी करेगी: रिपोर्ट

मुंबई ।

दिग्गज अमेरिकी रिटेल कंपनी वॉलमार्ट 2,000 से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी करने पर विचार कर रही है। वॉलमार्ट इंक ये छंटनी अमेरिका के 5 ई-कॉमर्स वेयरहाउस में करेगी। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। वॉलमार्ट की ओर से अभी तक इस बारे में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। इसके पहले 23 मार्च को एक रिपोर्ट में एक न्यूज एजेंसी ने कहा था कि वॉलमार्ट की 5 फैसिलिटी में काम करने वाले सैकड़ों कर्मचारियों को 90 दिन के अंदर दूसरी नौकरी तलाश करने को कहा गया है। कंपनी ने पिछले महीने अपने वेयरहाउसेज पर स्टाफ की संख्या कम करने की बात कही थी लेकिन इस दौरान कंपनी ने कोई खास जानकारी नहीं दी थी। कंपनी की ओर से रेगुलेटरी फाइलिंग में छंटनी की पूरी जानकारी मिलेगी। हालांकि, कंपनी ने यह भी कहा कि छंटनी के शिकार कर्मचारी उसी संस्थान में दूसरी भूमिका में काम करने पर विचार कर सकते हैं। गौरतलब है कि कंपनी के कुछ कर्मचारियों को भले ही छंटनी के जरिए निकाला जाएगा लेकिन आगे विस्तार की भी योजना है। वॉलमार्ट ने कहा है कि कंपनी कुछ दूसरे क्षेत्र में भी विस्तार कर रही है। इस योजना के तहत कुछ स्टोर और फुलफिलमेंट सेंटर में बदलाव किए जाएंगे ताकि ज्यादा से ज्यादा ऑनलाइन ऑर्डर की डिमांड को पूरा किया जा सके। ऐसे में संभावना है कि कंपनी कुछ कर्माचरियों को एक जगह से दूसरी जगह जाने की भी व्यवस्था कर सकती है। अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि वॉलमार्ट के कुल कितने कर्मचारियों पर इसका असर देखने को मिलेगा।

एयरोफ्लेक्स ने आईपीओ से 350 करोड़ जुटाने के लिए किया आवेदन

मुंबई ।

एयरोफ्लेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 350 करोड़ रुपए जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दस्तावेजों का मसौदा जमा कराया है। सेबी को दिए गए प्रस्ताव के मुताबिक आईपीओ के तहत 160 करोड़ रुपए के नए शेयर बिक्री के लिए जारी किए जाएंगे। इसके अलावा प्रवर्तकों के पास मौजूद 1.75 करोड़ शेयरों को भी खुली बिक्री (ओएफएस) के लिए रखा जाएगा। ओएफएस के तहत कंपनी में 92.18 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली सैट इंडस्ट्रीज लिमिटेड की तरफ से 1.23 करोड़ शेयरों की पेशकश की जाएगी जबकि 6.52 प्रतिशत हिस्सा रखने वाली इटैलिका ग्लोबल 52 लाख शेयरों की बिक्री करेगी। एयरोफ्लेक्स नए शेयरों की बिक्री से जुटाई जाने वाली राशि का इस्तेमाल कर्ज को चुकाने, कार्यशील पूंजी की जरूरतें पूरी करने और सामान्य कंपनी कामकाज में करेगी। मर्चेंट बैंकिंग सूत्रों के मुताबिक, एयरोफ्लेक्स के इस सार्वजनिक निर्गम का आकार करीब 350 करोड़ रुपए रह सकता है। मुंबई स्थित यह कंपनी धातुओं के लचीले होज बनाने के साथ उनकी आपूर्ति 80 से अधिक देशों में करती है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी ने एकीकृत परिचालन आय 240.8 करोड़ रुपए रही थी और उसने 27.5 करोड़ रुपए का लाभ कमाया था।

आईपीएल : पंजाब किंग्स पर जीत दर्ज करने उतरेगी राजस्थान रॉयल्स

गुवाहाटी (एजेंसी)। कप्तान संजू सैमसन की राजस्थान रॉयल्स बुधवार को कप्तान शिखर धवन की पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। अंक तालिक में अब तक शीर्ष पर होने के साथ ही राजस्थान ने पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की थी। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। रॉयल्स ने पिछले मैच में गेंदबाजी और बल्लेबाजी में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया था। वह उसके पंजाब के खिलाफ भी दोहराना चाहेगी। बल्लेबाजी में टीम के पास

यशस्वी जायसवाल के अलावा इंग्लैंड के जोस बटलर के अलावा कप्तान सैमसन भी हैं। इन तीनों के अर्धशतकों से रॉयल्स के बल्लेबाजों ने पिछले मैच में बढ़ा स्कोर बनाया था। इसके बाद गेंदबाजी के दौरान उसके स्पिनर युजवेंद्र चहल ने 17 रन पर चार विकेट और ट्रेंट बोल्ट ने 21 रन पर दो विकेट लेकर हैदराबाद के बल्लेबाजों को दबाव में ला दिया। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स भी इस मैच में जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। पंजाब ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मोहाली में बारिश की बाधा के बीच ही डकवर्थ-लुईस नियम से मैच जीता था। इस दौरान टीम ने शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी दिखायी थी।

रॉयल्स की बल्लेबाजी में गहराई है। मध्य क्रम में उसके पास देवदत्त पडिक्कल और रियान पराग के अलावा वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर जैसे खिलाड़ी हैं। रॉयल्स की गेंदबाजी भी अच्छी है। टीम के पास अनुभवी टेंट बोल्ट जैसा शीर्ष तेज गेंदबाज है। इसके अलावा स्पिनर चहल और आर अश्विन भी टीम में शामिल हैं।

पंजाब के पास शीर्ष क्रम में कप्तान शिखर धवन जैसा अनुभवी बल्लेबाज है पर टीम के अन्य बल्लेबाज युवा है। टीम की ताकत उसकी गेंदबाजी है जिसकी कमान बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के पास है। टीम के पास आईपीएल इतिहास में 18 करोड़ और 50 लाख रुपए के साथ सबसे महंगे खिलाड़ी बने इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कुरेन, लियाम लिविंगस्टोन जैसे खिलाड़ी भी हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

राजस्थान रॉयल्सः संजू सैमसन (कप्तान), अब्दुल बासित, मुरुगन अश्विन, रविचंद्रन अश्विन, केएम आसिफ, ट्रेंट बोल्ट, जोस बटलर, केसी करियप्पा, युजवेंद्र चहल, डोनोवन फरेरा, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, ओबेद मैकॉय , देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग, कुणाल सिंह राठौर, जो रूट, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव और एडम जम्पा।

पंजाब किंग्स : शिखर धवन (कप्तान), अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, राज बावा, राहुल चाहर, सैम कुरेन, ऋषि धवन, नाथन एलिस, हरप्रीत बरार, हरप्रीत सिंह, वी कावेरप्पा, लियाम लिविंगस्टोन, मोहित राठी, प्रभसिमरन सिंह, कागिसो रबादा , भानुका राजपक्षे, एम शाहरुख खान, जितेश शर्मा, शिवम सिंह, मैथ्यू शॉर्ट, सिकंदर रजा और अथर्व तायडे।

स्वितोलिना की मां बनने के बाद कोर्ट पर वापसी, पुतिनत्सेवा के हाथों करना पड़ा हार का सामना

चार्लेस्टन (एजेंसी)। दो बार की ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनलिस्ट एलिना स्वितोलिना के लिए मां बनने के बाद कोर्ट पर वापसी आसान नहीं रही और उन्हें चार्लेस्टन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में तीन सेट तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

विश्व की पूर्व नंबर तीन खिलाड़ी लेकिन अभी 1081वें नंबर पर काबिज स्वितोलिना दो घंटे, 46 मिनट तक चले मुकाबले में यूलिया पुतिनत्सेवा से 6-7 (3), 6-2, 6-4 से हार गई। स्वितोलिना ने कहा, 'मेरे लिए शारीरिक तौर पर यह आसान नहीं था। मेरा मानना है कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया लेकिन मैं उसके करीब पहुंच रही हूं।'

स्वितोलिना और उनके पति टेनिस खिलाड़ी गेल मोनफिल्स पिछले साल अक्टूबर में एक बिटिया के माता-पिता बने थे। दिन के अन्य मैचों में 2017 की अमरीकी ओपन चैंपियन सलोनी स्टीफंस ने क्वालीफायर लुईसा चिरिको को 3-6, 6-1, 6-2 से, सत्रह वर्षीय लिंडा फ्रुहविर्टोवा ने जिल टीचमैन को 6-2, 3-6, 6-2 से, अन्ना कालिंस्काया ने एनाहेलिना कलिनिना को 7-6 (6), 6-4 से और क्वालीफायर कैथरीन सेबोव ने लॉरेन डेविस को 4-6, 6-1, 6-2 से हराया।

ऋतुराज औरेंज , वुड पर्पल कैप के सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरे

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 16 वें सत्र में अब तब शानदार बल्लेबाजी कर दो अर्धशतक लगाने वाले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ औरेंज कैप के सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरे हैं। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ आईपीएल के सत्र के पहले मैच में इस बल्लेबाज ने नाबाद 92 रनों की पारी खेली थी। वहीं पर्पल कैप पर लखनऊ सुपर जाएंट्स के तेज गेंदबाज मार्क वुड की दावेदारी मजबूत है। वुड ने इस लीग में अब तक सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं।

ऋतुराजह ने अबतक दो अर्धशतकों के साथ ही 149 रन बनाये हैं, जबकि लखनऊ सुपर जाएंट्स के काइल मेयर्स 126 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं, तीसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा हैं, जिन्होंने 84 रन की पारी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ खेली थी। इस सूची में चौथा ना विराट कोहली का है, जिन्होंने 82 रन बनाए हैं और फाफ डुप्लेसिस ने 73 रन बनाए हैं।

वहीं गेंदबाजों की बात करें तो वुड ने अब तक लखनऊ की टीम की ओर से सबसे ज्यादा 8 विकेट लिए हैं। उन्हीं की टीम के साथी स्पिनर रवि बिश्नोई 5 विकेटों के साथ ही दूसरे स्थान पर हैं। तीसरे पायदान पर राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं, उन्होंने 4 विकेट लिए हैं। सीएसके के ऑलराउंडर मोइन अली को चार विकेट मिले हैं वह चौथे नंबर पर हैं।

आईपीएल 2023: सौरव गांगुली ने कहा, ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी दूसरों के लिए मौका

मुम्बई (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली ने कहा कि जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी आसानी से टीमों में नहीं बदले जा सकते। मुंबई इंडियंस (एमआई), दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ऐसी टीमें हैं जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में मैच विनर्स की सेवाएं मिस कर रही हैं। गांगुली ने स्वीकार किया कि पंत की अनुपस्थिति ने कैपिटल सेटअप में एक बड़ा छेद छोड़ दिया है, लेकिन यह भी कहा कि युवा खिलाड़ी की अनुपस्थिति अन्य बल्लेबाजों के लिए आगे बढ़ाने का एक मौका है।

गांगुली ने कहा, 'जाहिर है, टीम को ऋषभ की कमी खलेगी, लेकिन यह दूसरों के लिए कदम बढ़ाने का एक अवसर है। हम सीजन के लिए उन्हें (ऋषभ) मिस करेंगे क्योंकि (जसप्रीत) बुमराह, ऋषभ और श्रेयस जैसे खिलाड़ी फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट में बदले नहीं जा सकते हैं और सर्वश्रेष्ठ सभी टीमों को वितरित किए जाते हैं।'

इस 50 वर्षीय गांगुली ने खेल में काफी सुधार दिखाने के लिए रुतुराज गायकवाड़ और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'मैं इसे किसी के बेहतर बनने के अवसर के रूप में देखता हूं क्योंकि एमएस धोनी के खेलना बंद करने के बाद से ऋषभ बेहतर हो गए हैं। इस तरह से खिलाड़ी तैयार किए जाते हैं। आप देखिए (शुभमन) गिल बेहतर हो रहे हैं, ऋतु (रुतुराज गायकवाड़) अच्छा खेल रहा हैं, इसलिए यह एक मौका है। ऋषभ की कमी खलेगी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण उनकी रिकवरी है।'

गौर हो कि दिल्ली-देहरादून राजमार्ग पर हुई कार दुर्घटना में कई चोटों के बाद पंत आईपीएल 2023 का हिस्सा नहीं हैं। लेकिन मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने लगातार कहा है कि फ्रेंचाइजी इस सीजन में कुछ और तरीकों से पंत को अपना हिस्सा बनाने की कोशिश करेगी। अब डीडीसीए ने आज गुजरात टाइटंस के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में मैच के दौरान पंत के होने की पुष्टि की है।

धोनी लगातार दूसरे साल झारखंड के सबसे बड़े आयकर दाता बनकर उभरे

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी झारखंड के सबसे बड़े आयकर दाता बने हैं। उनकी आमदनी और आयकर विभाग को किए गए उनके भुगतान से यह अंदाज होता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022- 23 के लिए धोनी की ओर से आयकर विभाग को आयकर के तौर पर 38 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है, जबकि पिछले वर्ष 2021-22 में भी धोनी ने आयकर विभाग को 38 करोड़ रुपए का ही भुगतान किया था। दोनों वर्षों में भुगतान की राशि एक ही होने की वजह से अनुमान लगाया जा रहा है कि भले ही धोनी की ब्रांड वैल्यू बाजार में आज भी बरकरार है पर उनकी आमदनी नहीं बढ़ी है। पिछले साल भी

धोनी झारखंड के सबसे बड़े व्यक्तिगत आयकर दाता के तौर पर उभरकर सामने आए थे। धोनी की आमदनी विज्ञापनों से होती है। वह एक बड़े ब्रांड माने जाते हैं। धोनी अपनी एंटरटेनमेंट कंपनी के जरिए भी कमाई करते हैं। इसके अलावा क्रिकेट कोचिंग के लिए बनायी गयी कंपनी से भी उन्हें आमदनी होती है। धोनी शिक्षा के क्षेत्र में भी कदम रख चुके हैं। इसके अलावा धोनी की आमदनी के और भी कई माध्यम है।

आईपीएल2023 में कोरोना वायरस की हुई एंट्री, यह दिग्गज कॉमेंटेटर हुआ संक्रमित

मुम्बई । आईपीएल 2023 का आगाज हो चुका है। क्रिकेट प्रशंसकों को आईपीएल का इंतजार रहता है। हालांकि, आईपीएल के शुरुआत में ही एक बुरी खबर सामने आई है। यह बुरी खबर कोरोना वायरस से संबंधित है। दरअसल, इस बार आईपीएल भारत में खेला जा रहा है। हालांकि, वर्तमान में देखें तो भारत में एक बार फिर से कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी दिखाई दे रही है। इसी कड़ी में अब आईपीएल में भी कोरोना वायरस ने एंट्री मारी है। इस बार हिंदी कमेंट्री पैनल में शामिल आकाश चोपड़ा फिलहाल कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने इस बात की जानकारी खुद ही ट्वीट कर दी है। साथ ही साथ उन्होंने अपने यूट्यूब कम्युनिटी पोस्ट में लिखा कि रुकावट के लिए खेद है। कोविड-19 ने फिर से स्ट्राइक कर दिया है। वहीं, अपने ट्वीट में लिखा कि कॉट एंड बोल्ड कोविड। हाँ...सी वायरस फिर से आ गया है। वास्तव में हल्के लक्षण... सब कुछ नियंत्रण में है। कुछ दिनों के लिए कॉमेंट्री ड्यूटी से दूर रहूंगा... मजबूत वापसी की उम्मीद कर रहा हूं।' बता दें कि आज इंडियन प्रीमियर लीग का सातवां मुकाबला खेला जा रहा है। इसमें दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस की टीम आमने-सामने है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम यह मुकाबला खेला जा रहा है। दिल्ली अपना पहला मैच हार चुकी है जबकि गुजरात में इस बार भी शानदार शुरुआत की है।

क्रिकेट फैंस के लिए खुशखबरी, वनडे विश्व कप में इस मैदान पर खेला जा सकता है भारत-पाकिस्तान मैच

मुम्बई (एजेंसी)। क्रिकेट फैंस के ऊपर आईपीएल का खुमार जबरदस्त तरीके से देखने को मिल रहा है। यह साल क्रिकेट के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है क्योंकि भारत डब्लूटीसी फाइनल में अपनी जगह बना चुका है। इसके अलावा वनडे वर्ल्ड कप भी भारत में खेला जाना है। वनडे विश्व कप को लेकर इस वक्त एक बड़ा अपडेट आया है। वनडे विश्व कप में भारत और पाकिस्तान की टीम आमने-सामने होंगे। दरअसल, आईसीसी जैसे बड़े टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीम आमने-सामने होती हैं। लेकिन दोनों टीमों के बीच द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेली जाती।

खबर यह है कि आईसीसी वनडे विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाएगा। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम या फिर चेन्नई के चेपक स्टेडियम में कराया जा सकता है। इससे पहले पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप में भारत का दौरा करने से मना कर दिया था। पाकिस्तान ने आईसीसी को पत्र लिखकर यह भी कहा था कि उसके मुकाबले बांग्लादेश में कराया जाए। लेकिन आईसीसी की ओर से पाकिस्तान क्रिकेट टीम की इस मांग को पूरी तरीके से खारिज कर दिया गया था। ऐसे में पाकिस्तान क्रिकेट टीम को वनडे विश्वकप के लिए भारत आना ही होगा।

दरअसल, पूरा विवाद शुरू हुआ था जब बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने साफ तौर पर कहा था कि भारत एशिया कप खेलने के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगा। दरअसल, 2023 एशिया कप का आयोजन पाकिस्तान में ही हो रहा है। भारत सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान का दौरा नहीं करना चाहता। ऐसे में खबर यह भी है कि एशिया कप में भारत के मुकाबले पाकिस्तान से बाहर खेले जा सकते हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अपने खिलाड़ियों का वेतन बढ़ाएगी

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों के लिए राहत की बात है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) उनका वेतन बढ़ाने जा रही है। सीए खिलाड़ी यूनियन के साथ पांच साल के समझौते के तहत अपनी घरेलू टी20 लीग के लिए खिलाड़ियों का वेतन 50 फीसदी और महिला राष्ट्रीय टीम के वेतन में 25 फीसदी बढ़त करने जा रही है। घरेलू स्तर पर राज्य और महिला बीबीएल अनुबंध में महिला खिलाड़ियों का औसत वेतन एक लाख 50 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर होगा। वहीं पुरुष बिग बैश लीग (बीबीएल) में प्रत्येक टीम के लिए वेतन सीमा बढ़कर 30 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की जाएगी। सीए का लक्ष्य खेल में सर्वश्रेष्ठ स्थानीय प्रतिभा को जोड़े रखना है। सीए इसके अलावा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को भी अपने शामिल करना चाहती है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने कहा, 'हमें पता है कि वैश्विक क्रिकेट के बदलते हुए परिवेश में बीबीएल को और प्रतिस्पर्धी बनाना होगा। सीएक ने एक समझौते के तहत पेशेवर महिला क्रिकेटरों को भुगतान में 66 फीसदी का इजाफा करने की घोषणा करते हुए कहा कि विश्व चैंपियन टीम में शामिल शीर्ष अनुबंध धारकों को राष्ट्रीय और महिला बीबीएल करार तथा भारत और इंग्लैंड में करार सहित सालाना 10 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर मिल जाएंगे। वहीं इसके अलावा राष्ट्रीय अनुबंध हासिल करने वाली महिला खिलाड़ियों की संख्या को भी बढ़ाया जाएगा। इसमें 15 की जगह 18 खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा।

विलियमसन, साउदी सहित चार अनुभवी खिलाड़ियों के बिना ही पाक में एकदिवसीय सीरीज खेलेगी न्यूजीलैंड

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की टीम ने पाकिस्तान दौरे के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। 26 अप्रैल से शुरु हो रही एकदिवसीय सीरीज में न्यूजीलैंड टीम कप्तान केन विलियमसन सहित चार प्रमुख खिलाड़ियों के बिना उतरेगी। विलियमसन जहां चोटिल हैं वहीं अन्य खिलाड़ी आईपीएल के कारण एकदिवसीय सीरीज से बाहर हैं। विलियमसन के घुटने में चोट लगी है जबकि टिम साउदी, लॉकी फर्ग्यूसन, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सेंटनर और फिन एलन अभी आईपीएल में व्यस्ता हैं। ऐसे में टॉम लैथम टीम की कप्तानी करेंगे। इस दौरे में टीम को डेरिल मिशेल, मैट हेनरी, जेम्स नीशम, हेनरी निकोल्स और ईश सोढ़ी जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर ही आधारित रहना होगा। कीवी टीम ने बेन लिस्टर और कोल मैककोन्ची के रूप में दो संभावित नए खिलाड़ियों को भी शामिल किया है।

मुख्य कोच गैरी स्टीड ने दौरे के लेकर कहा, हमने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले सत्र में सफेद गेंद के दोनों प्रारूपों में कई रोमांचक मैचों का आनंद लिया है। वे एक कठिन टीम हैं, चाहे आप उन्हें कहीं भी ले जाएं। स्टीड ने आगे कहा, इस साल की शुरुआत में पाक में सफल एकदिवसीय सीरीज ने खिलाड़ियों को सीखने के बड़े अवसर प्रदान किए और विश्व कप के साल में अधिक एकदिवसीय मैच का अनुभव शानदार है। पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज 26 अप्रैल से रावलपिंडी में शुरू होगी और 7 मई को कराची में खत्म होगी।

टीम इस प्रकार है -टॉम लाथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल, चाड बोवेस, मैट हेनरी, बेन लिस्टर, कोल मैककोन्ची, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, हेनरी निकोल्स, रचिन रवींद्र, हेनरी शिपली, ईश सोढ़ी, ब्लेयर टिकनर, विल यंग।

राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन संजीता चानू को बड़ा झटका, लगा चार साल का प्रतिबंध

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रमंडल खेलों में दो बार की चैंपियन भारतीय भारोत्तोलक संजीता चानू पर पिछले साल डोप परीक्षण में असफल रहने के कारण राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने चार साल का प्रतिबंध लगाया है। संजीता पिछले साल सितंबर-अक्टूबर में गुजरात में राष्ट्रीय खेलों के दौरान परीक्षण में एनाबॉलिक स्टेरॉयड - ड्रोस्तानोलोन मेटाबोलाइट के लिए पॉजिटिव पाई गई थी, जो विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की प्रतिबंधित सूची में शामिल है।

भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) के अध्यक्ष सहदेव यादव ने पुष्टि की कि संजीता को प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने कहा, 'हां, संजीता पर नाडा ने चार साल का प्रतिबंध लगाया है।' यह संजीता के लिए बड़ा झटका है। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों में रजत पदक जीता था जिसे छीन लिया गया है। इस नए घटनाक्रम पर उनकी प्रतिक्रिया नहीं ली जा सकी। संजीता ने 2014 में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में 48 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2018 में गोल्ड कोस्ट में 53 किग्रा भार वर्ग में सोने का तमगा हासिल किया था।

मणिपुर की इस खिलाड़ी के पास अभी फैसले के खिलाफ अपील करने का विकल्प है लेकिन यह तय नहीं है कि वह ऐसा करेंगी या नहीं। संजीता ने जनवरी में कहा था, 'मुझे पहले भी इसका अनुभव है तो फिर मैं फिर से क्यों डोप लूंगी। मैं नहीं जानती कि मैं अपील करूंगी या नहीं क्योंकि दोनों मामलों में मेरी हार होगी।' उन्होंने कहा था, 'अगर मैं अपील करती हूं तो मेरा नाम पाक साफ होने में समय लगेगा और मेरे पास ओलंपिक और एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करने का मौका नहीं रहेगा। अगर मैं हार जाती हूं तो मुझे निलंबित कर दिया जाएगा।'

यह पहला अवसर नहीं है जबकि 2011 की एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता को डोपिंग से जुड़े विवाद का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले नवंबर 2017 में अमेरिका में विश्व चैंपियनशिप से पहले एनाबॉलिक स्टेरॉयड टेस्टोस्टेरोन के लिए पॉजिटिव पाए जाने पर अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ ने 2018 में उन्हें प्रतिबंधित किया था। विश्व संस्था ने हालांकि 2020 में उन्हें आरोप मुक्त कर दिया था।

संजीता ने कहा था, 'मैं पहले भी इस तरह की स्थिति से गुजर चुकी हूं लेकिन मेरी समझ में यह नहीं आ रहा है कि यह कैसे हुआ। इस घटना से पहले तक मैं अपने खाने और हर काम को लेकर काफी सतर्क थी। मैंने अपने पूरक आहार को लेकर भी सतर्कता बरती थी और मैंने पूछा था क्या वह डोप मुक्त हैं।'

उधार ली गई हॉकी स्टिक से जूनियर टीम की कप्तान बनी प्रीति

नई दिल्ली । भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम की कप्तान प्रीति का यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। हरियाणा के सोनीपत की प्रीति के घर की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी। प्रीति 10 साल की उम्र से मैदान में हॉकी खेलने जाती थीं। वही से प्रीति को हॉकी में दिलचस्पी बढ़ गई और उसने परिवार को बिन बताए उधार ली गई हॉकी स्टिक से खेलना शुरु कर दिया। इसी का परिणाम है कि वह आज भारतीय टीम तक पहुंची है। प्रीति का सपना है कि देश के लिए ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना। पिता शमशेर सिंह का कहना है कि वह नहीं चाहते थे कि उनकी बेटी खेलने के लिए बाहर जाए, लेकिन प्रीति छुपकर भी बाहर खेलने गई है। वह आकर ही बताती थी कि वह मैदान पर खेलने के लिए गई थी पर उसकी मेहनत रंग लाई और उसका चयन जूनियर महिला हॉकी टीम की कप्तान के रूप में हुआ। प्रीति की कोच व पूर्व महिला हॉकी टीम की कप्तान प्रीतम सिवाच का कहना है कि हमारे मैदान की बेटियां जब अच्छा खेलते हुए टीम में चयनित होती हैं, तो हमें बहुत खुशी होती है। इस मैदान से तीन खिलाड़ियों का सिलेक्शन जूनियर हॉकी टीम में हुआ है। जिनमें से प्रीति जूनियर हॉकी टीम की कप्तान बनी है। प्रीति के अनुसार बचपन में उसके माता-पिता नहीं चाहती थी कि वह खेलने के लिए बाहर जाए, लेकिन वह आपने मां-पापा से झूठ बोलकर मैदान पर खेलने के लिए जाती थीं, उसे बचपन से ही खेलने का शौक था, लेकिन जब उसके आस पड़ोस के बच्चे मैदान पर खेलने के लिए जाते थे तो वह भी उनके साथ छुपकर खेलने आ जाती थी। प्रीति ने कहा कि कभी उसके पासा आहार के लिए भी पूरे पैसे नहीं होते थे। इस कारण उसके माता पिता ने रात भर काम किया है। वहीं प्रीति ने कहा कि आज परिवार की मेहनत से मैं यहां मुकाम तक पहुंची हूं। प्रीति अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच प्रीतम सिवाच और अपने माता-पिता को दे रही है।

गरीबों तथा वंचितों की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर रहने वाले मानव तक पहुँचाने राज्य सरकार प्रतिबद्ध है: मुख्यमंत्री

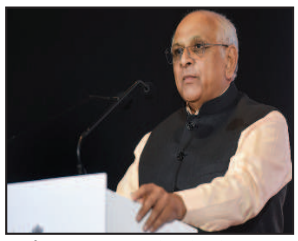

वडोदरा । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि राज्य सरकार की गरीबों एवं वंचितों के कल्याण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर रहने वाले लोगों तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं तथा इसके लिए राज्य सरकार ने कई योजनाओं में लाभ और सहायता की संख्या में भी वृद्धि की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए कार्य संकल्प सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास तथा सबका प्रयास के आधार पर राज्य सरकार जनहित के कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री के कार्य संकल्प में राज्य के जनप्रतिनिधि भी सहभागी बने है और सरकार सबके साथ मिलकर विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। जनप्रतिनिधि भी बिना किसी भी प्रकार के भेदभाव के सेवा कार्य कर जनता का विश्वास अर्जित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल मंगलवार को महेंद्रभाई जशभाई इनामदार ट्रस्ट द्वारा सावली में आयोजित आठवें सर्वजातीय समूहलग्न समारोह में सहभागी हुए तथा समारोह में शामिल हुए 751 नवविवाहितों को आशीर्वाद दिया। इस समूहलग्न समारोह का आयोजन विधायक केतन इनामदार और उनके परिवार द्वारा किया जाता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सामूहिक विवाह समारोह सामाजिक समरसता का उदाहरण पेश करता है। इस समारोह में सभी नागरिक जाति के भेदभाव के बिना इस समारोह में सहभागी बनते है। यह विशेष रूप से गरीब परिवार की अपने बेटे या बेटी की शादी के बारे में आर्थिक चिंताओं को कम करता है। राज्य सरकार भी ऐसे समारोहों को उचित प्रोत्साहन देकर मदद करती है। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि राज्य सरकार सात फेरा समूहलग्न, कुंवरबाईनु मामेरू तथा अंतरजातीय लग्न योजना के माध्यम से सहयोग प्रदान कर रही है। जिसके परिणामस्वरूप गरीब परिवार की आर्थिक चिंता कम हो जाती है। अंतर्जातीय लग्न में सहायता राशि एक लाख रुपए से बढ़कर ढाई लाख रुपए की गयी है। मुख्यमंत्री ने जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने आलू और प्याज की फसल के नुकसान में सहायता देने के लिए वडोदरा ज़िले के किसानों को भी शामिल करने का निर्णय लिया है।

सांसद और गुजरात भाजपा प्रमुख सी. आर. पाटिल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नारीशक्ति के हितों की रक्षा की जा रही है। भूपेंद्र पटेल की सरकार ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के माध्यम से बेटियों के भविष्य की चिंता की है। बेटी भगवान का आशीर्वाद है। बेटी अपने परिवार की निस्वार्थ सेवा करती है। बेटे तथा बेटी के बीच के भेदभाव को खत्म करने की सीख देते हुए श्री पाटिल ने सामाजिक संतुलन बनाए रखने के लिए बेटी के महत्व का भावपूर्ण शब्दों में वर्णन कियातथा इस समूहलग्न समारोह में सहभागी हुए नवविवाहितों को गर्भ परीक्षण न कराने के संकल्प लेने का भी आह्वान किया।

ड्रेनेज लाइन साफ करने गटर में उतर रहे तीन सफाईकर्मियों की मौत, एक उपचाराधीन

भरुच। जिले के दहेज ग्राम पंचायत की 25 फूट गहरी गटर में सफाई के लिए उतर रहे तीन श्रमिकों की दम घुटने से मौत हो गई। जबकि एक श्रमिक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ड्रेनेज लाइन की सफाई के लिए श्रमिकों को बगैर किसी सुरक्षा साधनों के गटर में उतारा गया था। घटनास्थल पर पहुंची दहेज पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक भरुच जिले की दहेज ग्राम पंचायत की अंडरग्राउंड ड्रेनेज लाइन की सफाई करने 30 वर्षीय गलसिंग वरसिंगभाई मुनिया, 30 वर्षीय परेश खुमानसिंह कटार, 24 वर्षीय अनिफ जालुभाई परमार, 20 वर्षिय भावेश खुमानसिंह कटार और 18 वर्षीय जिग्नेश अरविंद परमार नामक चार कर्मचारी एक-दूसरे का हाथ पकड़ कर गटर में उतर रहे थे। उस वक्त एक का हाथ छूटने से वह सीधे गटर में जा गिरा। जिसे बचाने के प्रयास में एक बाद एक अन्य तीनों में गटर में जा गिरे।

तीनों की गटर में दम घुटने से मौत हो गई। फायर विभाग की टीम ने गटर में पड़े तीनों श्रमिकों के शव को रस्सी से बांधकर बाहर निकाला और पोस्ट मार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। इस घटना में 18 वर्षीय जिग्नेश अरविंद परमार को बचा लिया गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक चारों श्रमिकों को बगैर किसी सैफ्टी साधन के गटर में उतारा जा रहा था। आश्चर्य की बात है कि ग्राम पंचायत के सरपंच को श्रमिकों के गटर में सफाई के लिए उतरने की कोई जानकारी नहीं थी। ग्राम पंचायत ने किसी को गटर की सफाई करने को नहीं कहा था। सवाल यह है कि बगैर ग्राम पंचायत के सरपंच या तलाटी की मंजूरी के बगैर कौन सफाई के लिए गटर में उतरेगा? फिलहाल दहेज पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू की है।

अमेरिका-कनाडा सीमा पर गुजरात के एक परिवार की मौत की जांच करेंगी एएचटीयू

गांधीनगर। गुजरात की सीआईडी-क्राइम की एंटी-ह्यूमन ट्रैफिक यूनिट (एएचटीयू) अमेरिका-कनाडा सीमा पर राज्य के एक परिवार के चार सदस्यों की मौत की जांच करेगी। सीआईडी के एक शीर्ष अपराध अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कनाडा की क्यूबेक-न्यूयॉर्क सीमा पर सेंट लॉरेंस नदी में अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने का प्रयास करते समय चार लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों की पहचान मेहसाणा जिले के मानेकपुर कभला गांव निवासी प्रवीण चौधरी, उसकी पत्नी दक्ष, बेटा मीत और बेटी विधि के रूप में हुई है।

इस घटना में कुल आठ लोगों की मौत हुई, चार गुजरात से और इतने ही कनाडा के पासपोर्ट वाले रोमेनियन थे। कलोल जिले के डिंगुचा के चार लोगों के एक परिवार की कनाडा से अमेरिका में प्रवेश करते समय ठंड लगने से मौत हो जाने के बाद यह घटना पिछले साल की तरह की तीसरी घटना है।

हादसे के बाद राज्य प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है। सीआईडी अपराध के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि घटना की जांच सीआईडी अपराध की एएचटीयू इकाई को सौंपी गई है। अधिकारियों ने कहा, हम इस मामले को सुलझाने के लिए मृतक के वीजा और यात्रा दस्तावेज प्राप्त करने के लिए कनाडा के अधिकारियों के पास पहुंचे हैं। परिवार के आग्रह के बावजूद कि वे प्रवीण चौधरी और उनके परिवार की अमेरिका जाने की योजना से अनजान थे। सीआईडी अपराध, स्थानीय पुलिस और गुजरात एटीएस की कई टीमों ने अवैध आप्रवासन रैकेट का पदार्फाश करने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है। रैकेट के सरगना बॉबी पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आप विधायक के 'भीलीस्तान' की मांग पर क्या है भाजपा और कांग्रेस की राय?

अहमदाबाद। भरुच जिले के डेडियापाडा से आम आदमी पार्टी (आप) विधायक चैतर वसावा ने अलग 'भीलीस्तान' प्रदेश की मांग कर नया विवाद पैदा कर दिया है। चैतर वसावा की इस मांग पर भाजपा के आदिवासी सांसद मनसुख वसावा और कांग्रेस विधायक अनंत पटेल की प्रतिक्रिया सामने आई है। भाजपा के भरुच से सांसद मनसुख वसावा ने कहा कि आदिवासीज समाज का राष्ट्रीय संगठन होना जरूरी है। लेकिन भील प्रदेश की मांग करना गलत है और इसमें कोई भी नेता को कभी सफलता नहीं मिली। अलग भील प्रदेश की मांग करने के बजाए सभी आदिवासी संगठित हों और अगर उन्हें कोई समस्या है तो सरकार से बात करें। लेकिन अलग भीलीस्तान की मांग जायज नहीं है। नवसारी जिले के वांसदा से कांग्रेस विधायक अनंत पटेल चैतर वसावा के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव आम आदमी पार्टी ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। आप आदिवासी वोट बैंक बनाने के प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि गुजरात में आदिवासी की परिस्थिति कठिन है उनकी अनेकों समस्याएं गुजरात सरकार के समक्ष पेश की गई हैं। कांग्रेस ने आदिवासी समाज के जल, जंगल और जमीन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को सरकार के समक्ष उठाया है। आप विधायक चुनाव के वक्त केवल वोट बैंक खड़ी करने का एक प्रयास है। गौरतलब है कि आप विधायक चैतर वसावा ने अलग भीलीस्तान की मांग कर एक नए विवाद को जन्म दे दिया है। चैतर वसावा का कहना है कि राजनीतिक दलों ने अब तक केवल आदिवासियों के वोट लिए हैं, लेकिन उनके उत्कर्ष के लिए कुछ नहीं किया। आदिवासियों से जंगल और जमीन छीनी जा रही है। ना पढ़ाई की कोई सुविधा है और ना ही आदिवासी युवाओं को रोजगार दे रहे हैं। अगर अलग भील प्रदेश होगा तो हम आदिवासी समाज के विकास कर सकेंगे। चैतर वसावा ने कहा कि देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू, जो एक आदिवासी हैं उनसे भी अलग भीलीस्तान के बारे में पेशकश करेंगे। इसके अलावा गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश समेत चारों राज्यों के आदिवासियों के साथ मिलकर आंदोलन करेंगे। गुजरात में उमरगाम से अंबाजी तक आदिवासी पट्टी में आंदोलन कर भीलीस्तान की मांग की जाएगी।

पहली बार सूरत शहर में कारोबार बढ़ाने के लिए मराठी समुदाय के उद्यमियों की बैठक हुई

सूरत भूमि, सूरत। ग्लोबल ट्रस्ट के तत्वावधान में सैटरडे क्लब का आयोजन रविवार 2 अप्रैल 2023 को सूरत शहर में होने की संभावना है। शहर के मराठी भाषी व्यवसायियों को व्यापार में एक-दूसरे की मदद करने के लिए एक मंच पर लाना और एक-दूसरे के बीच सहयोग की भावना को बढ़ाने के लिए सूरत चैप्टर स्थापित करने के मुख्य उद्देश्य के साथ पहली बार स्थानीय मराठी व्यवसायियों की एक आम बैठक आयोजित की गई। इसकी पहल सूरत के उद्यमी विक्रम सनस ने की। बैठक में बड़ी संख्या में सूरत शहर के छोटे-बड़े उद्यमी उपस्थत थे।

इस बैठक में भाग लेने के लिए शिक्षा प्रमुख अनिल कर्ता, विस्तार प्रमुख अरुण पाटिल और मुंबई सैटरडे क्लब ग्लोबल ट्रस्ट के एमडीपी समन्वयक अरुण भोसले उपस्थित थे। बैठक की शुरुआत अनिल कर्ता ने अपने हमेशा की तरह खुम्सदार अंदाज में क्लब के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए की। उसके बाद, अरुण पाटिल ने शनिवार क्लब में नेटवर्किंग, क्लब के महत्व और क्लब की कुछ सफलताओं के बारे में बात करके दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उपस्थित सभी उद्यमियों ने पहल की सराहना की और 1 मई महाराष्ट्र दिवस पर शहर में सूरत अध्याय शुरू करने का संकल्प लिया।

बैठक का संचालन अरुण भोसले ने किया। इसके अलावा इस बैठक में योगेश पाटिल, नीलेश रंजन, दानिश तम्बाखे और प्री स्कूल मैनेजर योगेश सर मौजूद रहे और शहर की पहली बैठक को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की।

नि:शुल्क फाइव एलीमेंट्स साधना शिविर 9 से

सूरत भूमि, सूरत। अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट द्वारा नि:शुल्क फाइव एलीमेंट्स साधना शिविर का आयोजन नौ अप्रैल से सुबह छ: बजे से आठ बजे तक डुमस स्थित अग्र एग्जोटिक में किया जायेगा । ट्रस्ट के अध्यक्ष सीए महेश मित्तल ने बताया की तीन दिवसीय शिविर में नीरवाणा, नासिक से पधारी गुरुमाँ प्रकृति के पाँच तत्व जल, अग्नि, वायु, आकाश, पृथ्वी आदि को संतुलित करने की योग क्रिया करवायेगी । इस दौरान आज के तनाव भरे माहौल में खुद के भीतर की परिस्तिथि को नियंत्रण में करने के बारे में भी सिखाया जायेगा । नि:शुल्क साधना शिविर सभी लोगों के लिये होगा, इसमें भाग लेने के लिये रजिस्ट्रेशन करवाना रहेगा ।

चैत्र सूद अथम के दिन हिंगलाज युवक मंडल ने किया होम-हवन और पूजा

सूरत भूमि, सूरत ।उधना की हिंगलाज कॉलोनी में चैत्र सूद अष्टमी के दिन हिंगलाज युवा समूह द्वारा होम-हवन किया गया। इस हवन में नयनभाई रावतोले और रमेशभाई राणा ने सजोड़ पूजा की, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

सूरत भूमि, सूरत। वेसु शिव कार्तिक एन्क्लेव में महावीर जन्म कल्याणक दीन का भव्य आयोजन किया गया जिसके लिए एक सुंदर मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जैनियों के अपने आध्यात्मिक प्रतिनिधि के लिए प्यार और सम्मान दिखाया, श्री महावीर स्वामीजी के जन्म के बारे में महिलाओं द्वारा एक प्रदर्शन किया गया,दर्शकों को प्रभावित किया। प्रदर्शनी का आयोजन साध्वी महाराज श्री श्रुतवर्षा श्रीजी की प्रेरणा और साध्वी महाराज श्री परमवर्षा श्रीजी के मार्गदर्शन में किया गया था, यह आयोजन समुदाय के करुणा, क्षमा और प्रेम के मूल्यों का एक सच्चा प्रतिबिंब दिखाता है।

पश्चिम रेलवे के आरपीएफ ने 5 साल में यात्रियों को 14 करोड़ से अधिक मूल्य का खोया हुआ सामान लौटाया

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे का सुरक्षा विभाग अपने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। रेल सुरक्षा बल (RPF) उनके सामान की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी दिशा में आरपीएफ ने यात्रियों को अपना खोया हुआ सामान वापस पाने में आसानी के लिए एक अनूठी पहल की है। इस दिशा में निरंतर अभियान चलाये जा रहे हैं। ये अभियान पश्चिम रेलवे के आईजी सह प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त प्रवीण चंद्र सिन्हा के नेतृत्व में चलाए जा रहे हैं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कुछ यात्री ट्रेन में चढ़ने या स्टेशन से निकलने की जल्दी में अपना सामान ले जाना भूल जाते हैं। ऑपरेशन अमानत के अंतर्गत आरपीएफ कर्मी ऐसे सामानों को सुरक्षित रखने और उन्हें वैध मालिकों को वापस दिलाने में मदद करते हैं। पिछले पांच वर्षों (2019 से 2023*मार्च तक) में, ऑपरेशन अमानत के अंतर्गत आरपीएफ ने 6905 मामलों में लगभग 14.52 करोड़ रुपये मूल्य का सामान बरामद किया है। इनमें से 3876 बैग, 489 पर्स, 61 ज्वैलरी आइटम, 1996 मोबाइल फोन और 636 अन्य सामान, जिनकी कीमत 14.52 करोड़ रुपये से अधिक है, यात्रियों को सौंपे गए। सत्यापन के बाद यात्रियों को यह छूटा हुआ सामान वापस कर दिया गया। ठाकुर ने आगे बताया कि कैलेंडर वर्ष 2023 में आरपीएफ ने 2.19 करोड़ रुपये मूल्य के 937 यात्रियों के सामान को पुन: प्राप्त किया है। पश्चिम रेलवे का रेलवे सुरक्षा बल (RPF) यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए चौबीसों घंटे काम करता है। आरपीएफ ने निवारक उपायों के साथ-साथ रेलवे संपत्ति के खिलाफ अपराधों का पता लगाने के उपाय करके देश भर में दूर-दूर तक फैली रेलवे की विशाल संपत्तियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया है। इसके अलावा, पश्चिम रेलवे के आरपीएफ ने अवैध विक्रेताओं के खिलाफ ऑपरेशन दूसरा के तहत काम करने के लिए प्रमुख स्टेशनों पर विशेष क्राइम प्रिवेंशन एंड डिटेक्शन स्क्वॉड टीमों और सीआईबी टीमों के गठन के माध्यम से अपराध को रोकने के लिए ध्यान केंद्रित किया।

ट्रेन परिचालन को सुचारू बनाने के लिए पश्चिम रेलवे के आरपीएफ द्वारा यात्रियों की सुरक्षा और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। वित्त वर्ष 2022-23 में रेलवे अधिनियम की धारा 144(1) के दंडात्मक प्रावधान के तहत कुल 57,517 अनधिकृत वेंडरों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से 20,195 अनधिकृत विक्रेता आदतन अपराधी थे जिन्हें बार-बार गिरफ्तार किया गया था। ऐसे वेंडरों से वित्त वर्ष 2022-23 में 1.87 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया। गत वर्ष की तुलना में अनधिकृत विक्रेताओं की गिरफ्तारी में लगभग 39.14त्न वसूले गए जुर्माने में 53.32त्न की वृद्धि हुई है। पश्चिम रेलवे के आरपीएफ रेल के प्रहरी हैं और रेलवे को सुरक्षित और स्वस्थ रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)